तृतीय भाषा हिंदी
हिंदी वल्लरी – 10 वीं कक्षा

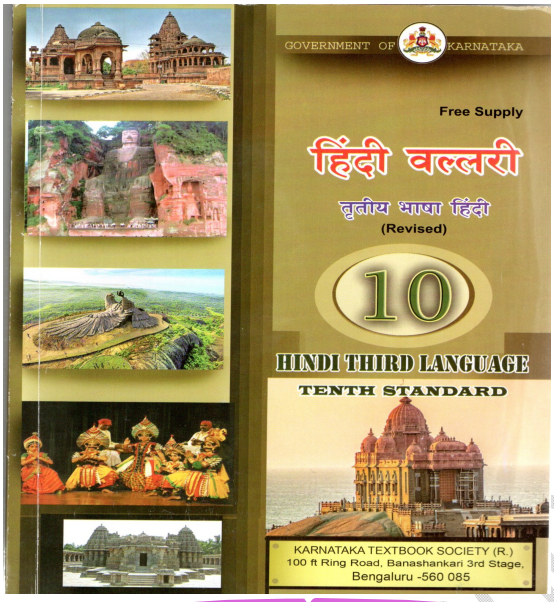

आत्म - विश्वास

॥ लक्ष्य एक हमारा, सौ प्रतिशत हासिल करना ॥

॥ ನಮ್ಮ ಚಿತ್ತ , ನೂರರತ್ತ ॥

उत्तम परिणाम के लिए 2017-18के नील नक्षा के अनुसार प्रश्नोत्तर मालिका

ಉತ್ತಮ ಫಲಿತಾಂಶಕ್ಕಾಗಿ 2017-18 ನೇ ಸಾಲಿನ ನೀಲ ನಕ್ಷೆಯ ಅನುಸಾರ ಪ್ರಶ್ನೋತ್ತರ ಮಾಲಿಕೆ

गद्य, पद्य, व्याकरण, रचना, नील नक्शा और प्रतिदर्श प्रश्न पत्र सहित

संकलनकर्ता :- डॉ. सुनील परीट

M.A.,M.Phil.,Ph.D.,B.Ed.,PGDT.

ಸೂಚನೆಗಳು :-

- ಈ ಹೊತ್ತಿಗೆಯ ಅನುಸಾರ ಸಂಪೂರ್ಣ ಯಶಸ್ಸನ್ನು ಗಳಿಸಲು ವಿಷಯ ಶಿಕ್ಷಕರ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ ಅತ್ಯವಶ್ಯಕ.
- ಇದನ್ನು ಓದಿ-ಮನನ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಇದು ನಿಧಾನವಾಗಿ ಕಲಿಯುವವರಿಗೆ ಹಾಗೂ ಉತ್ತಮ ಸಾಧನೆಗೈಯುವವರಿಗೆ ಸಹಾಯಕವಾಗಿದೆ.
- ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸುವ ಮುನ್ನ ಪ್ರಶ್ನೆಯನ್ನು ಸರಿಯಾಗಿ ಅರ್ಥೈಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಸಾಧ್ಯವಾದಷ್ಟು ಉತ್ತರಗಳನ್ನು point to point ಬರೆಯಬೇಕು. ಹಾಗೂ ಉತ್ತರಗಳು ಅಂಕಗಳಿಗೆ ಅನುಸಾರವಾಗಿ ಸ್ಪಷ್ಟ, ವಸ್ತುನಿಷ್ಠವಾಗಿರಲಿ. ಯಾವುದೇ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರಿಸದೆ ಖಾಲಿಬಿಡಬಾರದು.
- ಪಠ್ಯಪುಸ್ತಕ ಓದಿ, ಪುನರಾವಲೋಕನಕ್ಕೆ ಹೆಚ್ಚು ಒತ್ತು ನೀಡುವುದು.
- ಇದು ಕೇವಲ ಕಲಿಕಾ ಸಹಾಯಕವಷ್ಟೆ ಹೊರತು ಪರೀಕ್ಷಾ ಸಾಮಗ್ರಿವಲ್ಲ.

- ಡಾ. ಸುನೀಲ ಪರೀಟ

ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕರು ಹಾಗೂ ಸಾಹಿತಿಗಳು

ಸರಕಾರಿ ಪ್ರೌಡಶಾಲೆ, ಲಕ್ಕುಂಡಿ - **591102**

ತಾ|| ಬೈಲಹೊಂಗಲ, ಜಿ|| ಬೆಳಗಾವಿ ಮೊ. **9480006858**

दसवीं कक्षा तृतीय भाषा हिंदी [61 H]
X Standard Third Language Hindi [61 H]
आधार–पत्रक के लिए प्रश्न–पत्र का अभिकल्प
Question Paper Design for Blue Print

उद्देश्यों की दृष्टि से अंकभार – Weightage to Objectives : –

उद्देश्य	अंक	प्रतिशत
स्मरण रखना	16	20%
समझना	36	45%
अभिव्यक्ति	25	31%
रसग्रहण	03	4%
कुल	**80**	**100%**

विषय–वस्तु की दृष्टि से अंकभार – Weightage to Contents : –

विषय–वस्तु	अंक	प्रतिशत
गद्य	32	40%
पद्य	20	25%
व्याकरण	08	10%
रचना	16	20%
पूरक वाचन	04	05%
कुल	**80**	**100%**

प्रश्न–प्रकार की दृष्टि से अंकभार – Weightage to Types of Question : –

प्रश्न–प्रकार		प्रश्नों की संख्य	अंक	प्रतिशत
वस्तुनिष्ठ	1. बहुविकल्पीय	08	08	10%
	2. अनुरूपता	04	04	05%
	3. जोड़कर लिखना	04	04	05%
अति लघूत्तर		14	14	17.5%
लघूत्तर	1. दो अंकवाले	11	22	27.5%
	2. तीन अंकवाले	04	12	15%
दीर्घोत्तर	1. चार अंकवाले	04	16	20%
कुल		**49**	**80**	**100%**

कठिनता की स्तर की दृष्टि से अंकभार – Weightage to Difficulty Level : –

कठिनता की स्तर	अंक	प्रतिशत
सरल	24	30%
सामान्य	40	50%
कठिन	16	20%
कुल	**80**	**100%**

आधार पत्रक

समय : 2½ घंटे | दसवीं कक्षा तृतीय भाषा हिंदी [61 H] | अंक : 80

X Standard Third Language Hindi [61 H]

विषय–वस्तु	स्मरण रखना					समझना					अभिव्यक्ति					रसग्रहण					कुल प्रश्न	कुल अंक
	व.नि.	अ.ल.	ल.उ.		दी.उ.	व.नि.	अ.ल.	ल.उ.		दी.उ.	व.नि.	अ.ल.	ल.उ.		दी.उ.	व.नि.	अ.ल.	ल.उ.		दी.उ.		
	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक		
गद्य भाग :																						
कश्मीरी सेब						(1)1अ		(1)2													2	3
गिल्लू						(1)1अ		(1)2													2	3
मेरा बचपन			(1)2				(1)1														2	3
बसंत की सच्चाई							(1)1							(1)3							2	4
इंटरनेट क्रांति						(1)1अ		(1)2													2	3
ईमानदारी के सम्मेलन में		(1)1				(1)1जो															2	2
दुनिया में पहला मकान	(1)1जो						(1)1														2	2
रोबोट						(1)1जो		(1)2													2	3
महिला की साहस गाथा														(1)3							1	3
कर्नाटक संपदा															(1)4*						1	4
बाल–शक्ति			(1)2																		1	2
पद्य भाग :																						
मातृभूमि														(1)3							1	3
अभिनव मनुष्य		(1)1						(1)2													2	3
तुलसी के दोहे						(1)1जो													(1)3		2	4
समय की पहचान							(1)1	(1)2													2	3
सूर–श्याम						(1)1अ		(1)2													2	3
कोशिश करनेवालों की					(1)4*																1	4
पूरक वाचन भाग :																						
शान; सबसे सुंदर ग्रह			(1)2*																		1	2
सत्य की महिमा								(1)2*													1	2
नागरिक के कर्तव्य																						
व्याकरण भाग :																						
व्याकरण	(3)1					(5)1															8	8
रचना भाग :																						
अपठित गद्यांश							(4)1														4	4
अनुवाद												(4)1									4	4
पत्र लेखन															(1)4*						1	4
निबंध रचना															(1)4*						1	4
कुल योग	(10)16					(28)36					(10)25					(1)3					49	80

सूचनाएँ :– 1. कोष्ठक के अंदर प्रश्नों की संख्या और बाहर अंक इंगित है ।

2. " * " चिह्न आंतरिक विकल्प का सूचक है ।

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र

Model Question Paper

10 TH STANDARD | **Third Language Hindi [61 H]** | TOTAL MARKS - 80

खण्ड " क "

[गद्य, पद्य और पूरक वाचन]

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक वाक्य में लिखिए :– 6 x 1 = 6

1. अब्दुल कलाम का बचपन कैसे बीता ?
2. बसंत राजकिशोर से बार–बार विनती क्यों कर रहा था ?
3. लेखक परसाई जी को कहाँ ठहराया गया ?
4. सब जानवरों की बात सुनकर दोस्तों ने क्या किया ?
5. परमाणु मनुष्य के करों को देखकर क्यों काँपते हैं ?
6. समय किसका दिया हुआ अनुपम धन है ?

II. 7. स्तम्भ 'क' के वाक्यांशों के साथ स्तम्भ 'ख' के सही वाक्यांशों को जोडकर लिखिए :– 4 x 1 = 4

'क'	'ख'
अ. रोबोनिल	ईमानदारों की प्रशंसा
आ. ईमानदारों के सम्मेलन में	संत के गुण
इ. सिंगफो आदिवासी	कंप्यूटर विद
ई. हंस के समान	पूर्वोत्तर भारत
	मुखिया के गुण
	बेईमानी का पर्दाफाश
	बुद्धिमान रोबोट

III. प्रथम दो शब्दों के सूचित संबंधों के अनुरूप तीसरे शब्द का संबंधित शब्द लिखिए :– 4 x 1 = 4

8. बसंत की सच्चाई : ईमानदारी की सीख :: गिल्लू : ----------.
9. ई–गवर्नेंस : प्रशासन का यथावत विवरण :: वीडियो कान्फ्रेंस : ----------.
10. सेब बेचनेवाला : बेईमान निकला :: रेवडी बेचनेवाला : ----------.
11. मातृभूमि : प्रकृति का वर्णन :: सूर–श्याम : ----------.

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए :– 11 x 2 = 22

12. कश्मीरी सेब पाठ से आपको क्या सीख मिलती है ?
13. गिल्लू ने लेखिका की गैरहाजरी में दिन कैसे बिताए ?
14. नमाज के बारे में जैनुलाबदीन क्या कहते थे ?
15. व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है ?
16. रोबोनिल ने रोबोजीत को क्या समझाने की कोशिश की ?
17. गाँव की सफाई के लिए बालक क्या काम करते हैं ?
18. दिनकर जी ने ' अभिनव मनुष्य ' को क्या संदेश दिया है ?
19. समय का सदुपयोग कैसे कर सकते हैं ?
20. बाल कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता ?

21. सौर मंडल का सबसे बडा ग्रह कौनसा है ? उसमें शनि का स्थान क्या है ?

अथवा

शनि ग्रह का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

22. गांधीजी ने सत्य के बारे में क्या कहा है ?

अथवा

नागरिकों के कोई तीन कर्तव्य बताइए ।

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन या चार वाक्यों में लिखिए :– **4 x 3 = 12**

23. बसंत स्वभिमानी और ईमानदार लडका था । कैसे ?
24. दक्षिणी शिखर पर बछेंद्री की चढाई का अनुभव लिखिए ।
25. मातृभूमि कविता में प्रकृति सौंदर्य का वर्णन कैसे किया गया है ?
26. निम्नलिखित दोहे का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए ।

राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार ।
तुलसी भीतर बाहिरौ, जो चाहसि उजियार ॥

VI. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर पाँच या छः वाक्यों में लिखिए :– **2 x 4 = 8**

27. कन्नड भाषा और संस्कृति के लिए साहित्यकारों की देन क्या है ?

अथवा

कर्नाटक की शिल्पकला और वास्तुकला का परिचय दीजिए ।

28. निम्नलिखित कवितांश पूर्ण कीजिए :–

असफलता ----------,
---------- ।
---------- ,
---------- भागो तुम ।

अथवा

दया धर्म ---------- ।
---------- घट में प्राण ॥

खण्ड " ख "

[व्याकरण]

VII. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए चार –चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें एकमात्र सही उत्तर है । सही उत्तर चुनकर लिखिए :– **1 x 8 = 8**

29. इनमें से गुण संधि का उदाहरण है –

A. पुस्तकालय
B. गणेश
C. सदैव
D. पर्यावरण

30. ' नौका ' शब्द का अन्यवचन है –

A. नौकाएँ
B. नौकाओं
C. नाव
D. नाविक

31. इनमें प्रथम–प्रेरणार्थक क्रिया रूप है –

A. लिखावट C. सुनाना

B. चढाई D. बचना

32. 'मजबूत' का विलोम शब्द है –

A. मुलायम C. कमजोर

B. मजबूर D. कोमल

33. 'टस से मस न होना' मुहावरे आ अर्थ है –

A. बहुत खुश होना C. शोर न मचाना

B. हानि पहुँचाना D. विचलित न होना

34. इनमें तत्पुरुष समास का उदाहरण है –

A. त्रिदेव C. नील कमल

B. राजवंश D. राजा–रानी

35. मैं अभी बाजार ___ भुना लाता हूँ। रिक्त स्थान में उचित कारक होगा –

A. से C. ने

B. को D. पर

36. गिल्लू के जीवन का प्रथम वसंत आया। वाक्य में प्रयुक्त विराम चिह्न है –

A. प्रश्नवाचक C. विस्मयादि बोधक

B. पूर्ण विराम D. अल्प विराम

खण्ड " ग "

[रचना – अपठित गद्यांश, अनुवद, पत्रलेखन और निबंध]

VIII. निम्नलिखित गद्यांश ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :– 4

सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ प्राणी मानव है। मानव की जिज्ञासावृत्ति उसे पशुओं से भिन्न करती है। प्रकृति के रहस्यों को खोजने, उन्हें उपयोग में लाकर जीवन को सुखमय बनाने और ज्ञान विस्तार के मूल में उसकी जिज्ञासा ही है। अपनी जिज्ञासा से उसे यह लाभ मिलता है। मानव में एक विशेष गुण और है, वह है – सौंदर्यानुभूति। मानव सृष्टि के समस्त चराचरों में अपने इसी गुण से अच्छी और खराब वस्तुओं में भेद कर सकता है। अपने इस विवेक से ही मनुष्य ने ललित कलाओं का विकास भी किया है।

37. मानव पशुओं से कैसे भिन्न है ?
38. जिज्ञासा से मानव को क्या लाभ है ?
39. मानव का विशेष गुण क्या है ?
40. अपने विवेक से मानव क्या कर सका है ?

IX. निम्नलिखित वाक्यों का अनुवाद कन्नड या अंगेज़ी में कीजिए :– 1 x 4 = 4

41. बसंत और प्रताप गरीब थे।
42. दुकानदार ने मुझसे क्षमा माँगी।
43. गिल्लू का प्रिय खाद्य काजू था।
44. तालाब में एक बहुत बडी मछली तैर रही थी।

X. 45. पर्यटन जाने के लिए अनुमति और पैसे माँगते हुए अपने पिताजी के नाम पत्र लिखिए। 4

अथवा

बहन की शादी के कारण तीन दिन की छुट्टी की मंजूरी के लिए पत्र लिखिए।

XI. 46. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 15–20 वाक्यों में एक निबंध लिखिए। 4

(क) समय का सदुपयोग
- प्रस्तावना
- समय का महत्व
- उपसंहार

(ख) पर्यावरण की रक्षा
- प्रस्तावना
- रक्षा के उपाय
- उपसंहार

(ग) आज की आवश्यकता : इंटरनेट
- अर्थ
- लाभ और हानि
- उपसंहार

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	पाठ/पद्य	विधा	लेखक/कवि
१	मातृभूमि	कविता	भगवतीचरण वर्मा
२	कश्मीरी सेब	कहानी	प्रेमचंद
३	गिल्लू	रेखाचित्र	महादेवी वर्मा
४	अभिनव मनुष्य	कविता	रामधारीसिंह दिनकर
५	मेरा बचपन	आत्मकथा	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
६	बसंत की सच्चाई	एकांकी	विष्णु प्रभाकर
७	तुलसी के दोहे	दोहा	तुलसीदास
८	इंटरनेट क्रांति	निबंध/चर्चा	संकलित
९	ईमानदारों के सम्मेलन में	व्यंग्य	हरिशंकर परसाई
१०	दुनिया में पहला मकान	लेख	डॉ. विजया गुप्ता
११	समय की पहचान	कविता	सियारामशरण गुप्त
१२	रोबोट	कहानी	डॉ. प्रदीप मुख्योपाध्याय 'आलोक'
१३	महिला की साहसगाथा	व्यक्ति परिचय	सम्कलित
१४	सूर - श्याम	पद	सूरदास
१५	कर्नाटक संपदा	निबंध	संकलित
१६	बाल - शक्ति	लघु नाटिका	जगतराम आर्य
१७	कोशिश कर्नेवालों की हार नहीं होती	कविता	सोहनलाल द्विवेदी
१	शनि : सबसे सुंदर ग्रह	पूरकवाचन	गुणाकर मुले
२	सत्य की महिमा	पूरक्वाचन	संकलित
३	नागरिक के कर्तव्य	पूरकवाचन	

I. अनुरूपता (४ अंक)

1,वसीयत : नाटक : : चित्रलेखा : उपन्यास
2,शत-शत : द्विरुक्ति : : हरे-भरे : युग्मशब्द
3.बायेंहाथमें : न्यायपताका : : दाहिनेहाथमें : ज्ञानकादीप
4.हस्त : हाथ ; : पताका : ध्वज
5) केला: पीलारंग. : : सेब. : गुलाबरंग
6) सेब: फल. : : गाजर : सब्जि
7) नागपुर: संतरा: : कश्मीर. : सेब
8) कपडा: नापना: : टोमाटो : तोलना
9) 1907 : महादेवीवर्माजीकाजन्म : : 1987 : महादेवीवर्माजीकामरण
10)गुलाब: पौधा : : सोनजूही : लता
11) हंस : सफेद : : कौआ : काला
12) बिल्ली: म्याऊँ – म्याऊँ : : गिल्लू : चीक--चीक
13) कोयल: मधुरस्वर: : कौआ: कर्कशस्वर
14) गांधीजी : राष्ट्रीयता : : अब्दुल कलाम. : वैज्ञानिक (जनवादी राष्ट्रपति)
15) जलालुद्दीन : जीजा : : शम्सुद्दीन. : चचेरे भाई
16) ट्रेन : भू - यात्रा : : नौका : जल - यात्रा
17) हिंदु : मंदिर. : : इस्लाम. : मस्जिद
18) पं.राजकिशोर. : किशनगंज : : बसंत : भिकु अहीर के घर
19) पं.राजकिशोर : मजदूरों के नेता : : बसंत : प्रामाणिक लड़का
20) पं.राजकिशोर : मालिक. : : अमरसिंह : नौकर
21) प्रताप : छोटा भाई : : वर्मा : डाक्टर
22) ? : प्रश्नार्थक चिन्हांकन : : ! : विस्मयादीबोधक चिन्हा
23) दया : धर्म का मूल : : पाप : अभिमान का
24) परिहरि : त्यागना : : करतार : सृष्टिकर्ता
25) जीह : जीब : : देहरी : द्वार
26) कंप्यूटर : संगणक यंत्र : : इंटरनेट. : अंतर्जाल
27) आई.टी. : इंनफरमेशन टैक्नोलोजी : : आई.टी.ई.एस. : इंनफरमेशन टैक्नोलोजी ऎनेबल्ड सर्विसेस
28) फेसबुक : वरदान : : हैकिंग : अभिशाप
29) वीडियो कान्फरेंस : विचार -- विनिमय. : : ई - प्रशासन. : पारदर्शी प्रशासन
30) पहला दिन : चप्पलें गायब : : दूसरे दिन : बिस्तर की चादर गायब
31) तीसरे दिन : कंबल गायब. था : : चौथे दिन : ताला गायब
32) रिक्शा : तीन पहियों का वाहन : : साइकल : दो पहियों का वाहन
33) रेलगाड़ी : पटरी : : हवाईजहाज : हवा
34) हाथी : जंगल जानवर : : भैंस. : पालतू जानवर
35) मछली : पानी : : साँप. : जमीन
36) मछली : तैरना : : साँप : रौंदना
37) हाथी : सूँड़ : : भैंस : सिंग

9480006858

38) आलस. : परिश्रम. : : नष्ट. : लाभ
39) जानो: मानो: : लगादो: बुझादो
40) धन. : निर्धन. : : दिया: लिया
41) जीवन. : मरण. : : खोना: पाना
42) शेरूकोटहलाना: रोबोनिल. : : झबरूकोघुमाना: रोबोदीप
43) मुखिया: धिरजसक्सेना: : सेवक: साधोराम
44) टससेमसनाहोना: अटलरहना: : फूलेनसमानान्तर. : बहुतखुशहोना
45) पहाड़. : गिरी : : चोटी : शिखर
46) कालानाग. : पर्वत. : : गंगोत्री : पहाड़
47) कर्नल. : खुल्लर. : : मेजर : सेनाधिपती
48) चाय. : गरम. : : बर्फ : ठंडा
49) पहले हिमालय पर्वतारोही पुरुष. : तेनजिंग नोर्गे : : पहली एवरेस्ट पर्वतारोही महिला : जुंके ताबि
50) बलभद्र : बलराम : : मान्य : : कृष्ण
51) जसोदा : माता : : नंद : पिता
52) रीझना : मोहित होना : : खिजाना : : चिढाना
53) बलबीर : बलराम : : जसोदा : यशोदा
54) दक्षिण से उत्तर के छोर की पर्वतमाला : पश्चिमी घाट : : दक्षिण की पर्वतावलियाँ : नीलगिरि की पर्वतावलियाँ
55) कर्नाटक : चंदन का आगार : : बेंगलूर : सिलिकान सिटि
56) सी.वी.रामन : नोबेल पुरस्कृत : : सर.एम. विश्वेश्वरय्या : भारत रत्नसेन
57) भद्रावती : लोहे और इस्पात : : मैसूरु : साबुन तथा कलाकृतियाँ, चंदन का आगार
58) कावेरी : नदी : : जोग : जलप्रपात
59) बेलूरु : शिल्पकला : : गोलगुंबज : वास्तुकला
60) सेंट फिलोमिना : चर्च : : जगनमोहन राजमहल : महलs
61) कृष्णदेवराय : शासक : : राष्ट्रकूट : राजवंश
62) बसवण्णा : वचनकार : : कनकदास : भक्ति, कवी
63) पंपा : प्राचीन कवि : : कंबार : आधुनिक कवि
64) मेहनत. : परिश्रम. : : कोशिश : प्रयत्न
65) चढ़ना : उतरना : : हारना : जीतना
66) स्वीकार. : इन्कार. : : चैन. : बेचैन
67) सिंधु : समुद्र. : : हाथ. : पैर, हस्त,

II. जोडकर लिखिए (४ अंक)

1) तेरे उर में शायित	गांधी, बुद्ध और राम
2) फल - फूलों से युत.	वन- उपवन
3) एक हाथ में	न्याय- पताका
4) कोटि- कोटि हम.	आज साथ में
5) मातृ — भू	शत —शत बार प्रणाम
1) सेब को रूमाल में बाँधकर	मुझे दे दिया।
2) फल खाने का समय तो	प्रातःकाल है।

डॉ. सुनील प्रिंट 9480006858

3) एक सेब भी	खाने लायक नहीं।
4) व्यापारियों की साख	बनी हुई थी।
1) मेरे पिता	जैनुलाबदीन
2) मद्रास राज्या	तमिलनाडु रामेश्वरम्
3) शम्शुद्दीन.	चचेरे भाई
4) अहमद जलालुद्दीन.	अंतरंग मित्र
5) पक्का दोस्त.	रमानंद शस्त्री
1) विश्व किन्ह.	करतार
2) परिहरि वारि	विकार
3) जब लग घट.	में प्राण
4) सुसत्यर्वत.	राम भरोसो एक
1),इंटरनेट ने पूरे विशव को	एक छोटे गाँव का रूप दे दिया है
2) इंटरनेट द्वारा कोई भी	बिल भर सकते है
3) इंटरनेट समाज के लिए.	बहुत बडा वरदान साबित हुवा
4) इंटरनेट से सबको	पैरसी,हैकिंग आदि बढ रही है।
5)इंटरनेट से सबको	सचेत रहना चाहिए
1) तालाब.	मछली
2) हाथी	पैर
3) भैंस.	हड्डियाँ
4) पहला	मकान
5) सिंगफो	आदिवासी
1) उपयोगी	सुसमय
2) आलस.	बहाना
3) जीवन.	पल- पल
4) समय.	अनुपमधन
5) द्रव्य.	समता
1) यह सुनकर का उंटरपर	बैठा रोबोट बोला
2) मगर,रोबोदीप	यह तो रोबोटिकी के नियम के विरुध्द है ।
3) शाम को रोबोनिल	और रोबोदीप मिले
4) दोनों के बीच कुछ	गुप्त मंत्रणा हुई
5) सक्सेना परिवार	रोबोनिल को पाकर फुला नहीं समा रहा था।
1) गंगोत्री ग्लेशियर की चढ़ाई.	सन् 1982
2) पर्वतारोहीयों का सम्मेलन.	सन् 1983
3) एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचना	सन् 1984
1) सूरदास का जन्म.	सन् 1540 को हुवा
2) सगुण भक्तिधारा की	कृष्ण भक्ति शाखा
3) उत्तर प्रदेश का रुनकता	सूर का जन्मस्थान
4) सूरदास जी की मृत्यु	सन् 1642 को हुई
1) बेईमानी करनेवाला	रामू
2) टोली का नाम.	बाल- - शक्ति

डॉ. सुनील परीट 9480006858

3) इनाम के रुपये पाँच हजार
4) टोली का मुखिया मोहन
5) ये गाँव के सपूत है बुजुर्ग

1) लहर. - नौका
2) चींटी - दाना
3) गोताखोर. - डुबकियाँ
4) असफलता - चुनौती
5) कमी - सुधार

III. अनुवाद (४ अंक)

गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज थी।

ಉತ್ತರ:- - ಗಜ್ಜರಿ ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬುವ ವಸ್ತುವಾಗಿತ್ತು,

दुकानदार ने कहा- -बडे मजेदार सेब आये है।

ಉತ್ತರ:- - ಅಂಗಡಿಯವನು ಹೇಳಿದ ಬಹಳ ರುಚಿಯಾದ ಸೇಬುಹಣ್ಣುಗಳು ಬಂದಿವೆ,

एक सेब भी खाने लायक नहीं।

ಉತ್ತರ:- - ಒಂದು ಸೇಬುಹಣ್ಣು ತಿನ್ನಲು ಯೋಗ್ಯವಿದ್ದಿಲ್ಲ,

दुकानदार ने मुझसे क्षमा माँगी।

ಉತ್ತರ:- - ಅಂಗಡಿಯವನು ನನಗೆ ಕ್ಷಮೆ ಕೇಳಿದ,

कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका।

उत्तर:- -ಕೆಲವು ಗಂಟೆಗಳ ಉಪಚಾರದ ನಂತರ ಬಾಯಿಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರನ್ನು ಹಾಕಲಾಯಿತು.

बड़ी कठिनाई से मैने उसे थाली के पास बैठना सिखाया।

उत्तर:- -ಬಹಳ ಕಠಿಣತೆಯಿಂದ ನಾನು ಅದಕ್ಕೆ ತಟ್ಟೆಯ ಹತ್ತಿರ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳುವುದನ್ನು ಕಲಿಸಿದೆ,

गिल्लू मेरे पास रखी सुराही पर लेट जाता था।

उत्तर:- -ಗಿಲ್ಲು ನನ್ನ ಬಳಿ ಇಟ್ಟಿದ್ದ ನೀರಿನ ಪಾತ್ರೆಯ ಮೇಲೆ ಮಲಗುತ್ತಿತ್ತು.

दिनभर गिल्लू ने न कुछ खाया, न बाहर गया।

उत्तर:- -ದಿನವಿಡೀ ಗಿಲ್ಲು ಏನನ್ನು ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ. ಹಾಗು ಹೊರಗೂ ಬರಲಿಲ್ಲ.

उसकी आयु लगभग 12 वर्ष की है ।

उत्तर :- - ಆತನ ವಯಸ್ಸು ಸರಿಸುಮಾರು ೧೨ವರ್ಷ ಇತ್ತು.

सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका ।

उत्तर :- - ಬೆಳಿಗ್ಗೆಯಿಂದ ಈಗಿನವರೆಗೂ ಏನೂ ವ್ಯಾಪಾರ ಆಗಿಲ್ಲ

मैं भीख नहीं लूँगा ।

उत्तर :- ನಾನು ಭಿಕ್ಷೆ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲಾ

बड़ी मुश्किल से बसंत को घर ले गए ।

उत्तर :- - ಬಹಳ ಕಠಿಣತೆಯಿಂದ ಬಸಂತನಿಗೆ ಮನೆಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋದೆವು.

बसंत ओठ भींचकर आह खींचता है ।

उत्तर :- - ಬಸಂತ ತುಟಿಬಿಗಿದಡಿದು ನರಳುತ್ತಿದ್ದನು.

यह गरीब है पर इसमें एक दुर्लभ गुण है ।

9480006858

उत्तर :- - ಇವನು ಬಡವನಾಗಿದ್ದ ಆದರೆ ಇವನಲ್ಲಿ ಒಂದು ವಿರಲ ಗುಣವಿದೆ.

इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

ಉತ್ತರ:-ಅಂತರ್ಜಾಲವು ಆಧುನಿಕ ಜೀವನಶೈಲಿಯ ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣ ಅಂಗವಾಗಿದೆ.

इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरिदारी कर सकते है ।

ಉತ್ತರ:- ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಮೂಲಕ ಮನೆಯಲ್ಲಿಯೇ ಕುಳಿತುಕೊಂಡು ಖರೀದಿ ಮಾಡಬಹುದು.

इंटरनेट की सहायता से बेरोजगारी को मिटासकते है।

ಉತ್ತರ:-ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಮುಖಾಂತರ ನಿರುದ್ಯೋಗವನ್ನು ನಿರ್ಮೂಲನೆ ಮಾಡಬಹುದು.

हम आपको आने- -जाने का पहले दर्ज का किराया देंगे।

ಉತ್ತರ:- ನಾವು ತಮಗೆ ಹೋಗಿಬರುವುದಕ್ಕಾಗಿ ಮೊದಲದರ್ಜೆಯ ಭತ್ತೆಯನ್ನು ಕೊಡುತ್ತೇವೆ,

स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुवा।

ಉತ್ತರ:- ಸ್ಟೇಶನ್ನಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಬಹಳ ಸ್ವಾಗತವಾಯಿತು,

देखिए,चप्पलें एक जगहा नहीं उतारना चाहिए।

ಉತ್ತರ:- ನೋಡಿ ಚಪ್ಪಲಿಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಬಿಡಬಾರದು

अब मै बचा हूँ ।अगर रुका तो मैं ही चुरा लिया जाऊँगा ।

ಉತ್ತರ:- ಈಗ ನಾನು ಉಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದೇನೆ, ಒಂದು ವೇಳೆ ಇಲ್ಲೇ ಉಳಿಸಿಕೊಂಡರೆ ನನ್ನನ್ನು ಸಹ ಕಳವು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ,

भैंस ने दोस्तों को पंजर दिखाया ।

ಎಮ್ಮೆಯು ಸ್ನೇಹಿತರಿಗೆ ಅಸ್ತಿಪಂಜರ ತೋರಿಸಿತು.

बिछेंद्री का जन्म एक साधारण परिवार में हुवा था ।

ಉತ್ತರ:- ಬಿಛೆಂದ್ರಿಯವರ ಜನ್ಮ ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಪರಿವಾರದಲ್ಲಾಯಿತು,

बिछेंद्री को रोज पैदल चलकर स्कूल. जाना पड़ता था ।

ಉತ್ತರ:- ಬಿಛೆಂದ್ರಿಯವರು ದಿನಾಲು ನಡೆಯುತ್ತಾ ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗಿತ್ತು

दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी।

ಉತ್ತರ:- ದಕ್ಷಿಣ ಪರ್ವತದ ಮೇಲೆ ಗಾಳಿಯ ವೇಗ ಹೆಚ್ಚಾಗಿತ್ತು.

मुझे लगा कि सफलता बहुत नजदीक है।

ಉತ್ತರ:- ನನಗೆ ಅನಿಸಿತು ಯಶಸ್ಸು ಬಹಳ ಹತ್ತಿರವಿದೆ ಎಂದು.

मैं एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचनेवाली प्रथम भारतीय महिला थी ।

ಉತ್ತರ:- ನಾನು ಎವರೆಸ್ಟ್ಟಿಯ ಮೇಲೆ ಹೋಗಿರುವ ಪ್ರಥಮ ಭಾರತೀಯ ಮಹಿಳೆಯಾಗಿದ್ದಾಳೆ

कर्नाटक में कन्नड भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूरू है ।

ಉತ್ತರ:- -ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡಲ್ಪಡುತ್ತದೆ ಮತ್ತು ಬೆಂಗಳೂರು ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ.

कर्नाटक में चंदन के पेड विपुल मात्रा में हैं।

ಉತ್ತರ:- -ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಗಂಧದ ಗಿಡಗಳು ವಿಪುಲ ಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲಿವೆ.

जगनमोहन राजमहल का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणीय है।

ಉತ್ತರ:- -ಜಗನ್ಮೋಹನ ರಾಜಮಹಲಿನ ಪ್ರಾಚೀನ ವಸ್ತುಸಂಗ್ರಹಾಲಯವು ಅತ್ಯಂತ ಆಕರ್ಷಣೀಯವಾಗಿದೆ.

वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे ।

ಉತ್ತರ:- -ವಚನಕಾರರು ಬಸವಣ್ಣನವರು ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದರು.

IV. पद्यभाग पूर्ण करना (४ अंक)

MüÉÍzÉzÉ MüUlÉuÉÉsÉÉ MüÐ MüpÉÏ WÉU lÉWÏ WÉiÉÏ. (xÉÉWlÉsÉÉsÉ Ì²uÉSÏ)

लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।
आख़िर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों कभी की हार नहीं होती।

डुबकियां सिंधु में गोताखोर लगाता है,
जा जा कर खाली हाथ लौटकर आता है।

मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में।
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
कोशिश करने वालों कभी की हार नहीं होती।

AxÉTüsÉiÉÉ LMü cÉÑlÉÉiÉÏ Wæû, CxÉå xuÉÏMüÉU MüUÉå,
YrÉÉ MüqÉÏ UWû aÉD, SåZÉÉå AÉæU xÉÑkÉÉU MüUÉå|
eÉoÉ iÉMü lÉ xÉTüsÉ WûÉå, lÉÏÇS cÉælÉ Mü irÉÉaÉÉå iÉÑqÉ|
xÉÇbÉwÉï MüÉ qÉæSÉlÉ NûÉåQû MüU qÉiÉ pÉÉaÉÉå iÉÑqÉ|
MüÑcÉ ÌMüL ÌoÉlÉÉ WûÏ eÉrÉ - eÉrÉMüÉU lÉWûÏÇ WûÉåiÉÏ,
MüÉåÍzÉzÉ MüUlÉåuÉÉsÉÉåÇ Müä कभी WûÉU lÉWûÏÇ WûÉåiÉÏ|

* तुलसी के दोहे याद कीजिए

१. qÉÑÎZÉrÉÉ **मुख xÉÉå cÉÉÌWL खान पान को एक ।**
पालै पोसै सकल अँग, तुलसी xÉÌWûiÉ ववेक ॥
२. जड़ चेतन गुन दोषमय बिस्व कीन्ह करतार।
संत हंस गुन गहहिं पय परिहरि बारि बिकार॥
३. दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान |
तुलसी दया न छांड़िए ,जब लग घट में प्राण ||
४. **iÉsÉxÉÏ xÉÉjÉÏ ÌuÉmÉÌ¨É Mü ÌuÉkrÉÉ ÌuÉlÉrÉ ÌuÉuÉåMü |**
xÉÉWûxÉ xÉÑMüÌiÉ xÉÑxÉirÉuÉëiÉ UÉqÉ pÉUÉåxÉ LMü ||
५. राम नाम मनिदीप धरु जीह देहरीं द्वार |
तुलसी भीतर बाहेरहुँ जौं चाहसि उजिआर ||

V. भावार्थ लिखिए (३ अंक)

pÉÉuÉÉjÉï iÉsÉxÉÏ Mü SÉWû pÉÉuÉÉjÉï :- 3 AMü

१. qÉÑÎZÉrÉÉ मुख xÉÉå cÉÉÌWL खान पान को एक ।
पालै पोसै सकल अँग, तुलसी xÉÌWûiÉ ववेक ॥

भावार्थ: - iÉsÉxÉÏSÉxÉ qÉZÉ AÉæU qÉÑÎZÉrÉÉ Müû xÉqÉÉlÉiÉÉ oÉiÉÉiÉå Wæû| ÌMü ÎeÉxÉ mÉëMüÉU qÉÑZÉ ZÉÉlÉå-ÌmÉlÉå MüÉ MüÉrÉï AMüsÉÉ MüUiÉÉ Wæû AÉæU ExÉxÉ WûÏ zÉUÏU Mü xÉÉUå AÇaÉ MüÉ mÉÉåwÉhÉ WûÉåiÉÉ Wæû| ExÉÏ mÉëMüÉU qÉÑÎZÉrÉÉ MüÉå ÌuÉuÉåMüuÉÉlÉ WûÉåMüU xÉoÉMü ÌWûiÉ qÉå MüÉqÉ MüUlÉÉ cÉÉÌWL|

२. जड़ चेतन गुन दोषमय बिस्व कीन्ह करतार।
संत हंस गुन गहहिं पय परिहरि बारि बिकार॥

भावार्थ-विधाता ने इस जड़-चेतन विश्व को गुण-दोषमय रचा है, किन्तु संत रूपी हंस दोष रूपी जल को छोड़कर गुण रूपी दूध को ही ग्रहण करते हैं।

३. दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान |
तुलसी दया न छांड़िए ,जब लग घट में प्राण ||

भावार्थ: गोस्वामी तुलसीदासजी कहते हैं कि मनुष्य को दया कभी नहीं छोड़नी चाहिए क्योंकि दया ही धर्म का मूल है और इसके विपरीत अहंकार समस्त पापों की जड़ होता है|

४..iÉsÉxÉÏ xÉÉjÉÏ ÌuÉmÉÌ¨É Mü ÌuÉkrÉÉ ÌuÉlÉrÉ ÌuÉuÉåMü |
xÉÉWûxÉ xÉÑMüÌiÉ xÉÑxÉirÉuÉëiÉ UÉqÉ pÉUÉåxÉ LMü ||

भावार्थ: - mÉxiÉÑiÉ SÉWû qÉ iÉsÉxÉÏSÉxÉ MüWûiÉ Wæû ÌMü eÉoÉ qÉÑÍzMüsÉ xÉqÉrÉ AÉiÉÉ Wæû iÉÉå iÉoÉ ÌuÉkrÉÉ,ÌuÉlÉrÉ AÉæU ÌuÉuÉåMü WûÏ ExÉMüå xÉÉjÉ SiÉå Wæû| eÉÉå rÉÌ£ü UÉqÉ mÉU pÉUÉåxÉÉ MüUiÉÉ Wæû,uÉWû xÉÉWûxÉÏ,xÉiMüqÉïÏ AÉæU xÉSÉcÉÉUÏ oÉlÉiÉÉ Wæû |

५. राम नाम मनिदीप धरु जीह देहरीं द्वार |
तुलसी भीतर बाहेरहुँ जौं चाहसि उजिआर ||

भावार्थ: तुलसीदासजी कहते हैं कि हे मनुष्य ,यदि तुम भीतर और बाहर दोनों ओर उजाला चाहते हो तो मुखरूपी द्वार की जीभरुपी देहलीज़ पर राम-नामरूपी मणिदीप को रखो |

पत्र लेखन (४ अंक)

1. <u>पिताजी को पत्र</u>

दिनांक :- 10-08-2014

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम।

आपके आशीर्वाद से मैं यहाँ सकुशल हूँ। आपका पत्र मिला, जो पढकर अत्यंत खुशी हुई। मेरी पढाई ठीक चल रही है। आपकी आज्ञानुसार मन लगाकर दिन-रात पढाई कर रहा हूँ। खेल-कूद या गपशप में समय बर्बाद नहीं करता। आप लोग खून-पसीना एक करके हमारी शिक्षा के लिए सामग्री जोडते हैं। आपके परिश्रम के बारेमें मैं जानता हूँ। आप मेरे पढाई के बारेमें चिंता न कीजिए।

माताजी को मेरा प्रणाम, छोटी बहन को ढेर सारा प्यार।

आपका प्रिय पुत्र,

राजु

सेवा में,

श्री रामचंद्र हेगडे

मु/पो- लक्कुंडी- 591102

तहसील- बैलहोंगल

जिला- बेलगांवी

2. <u>छुट्टी पत्र</u>

दिनांक :- 07-07-2014

प्रेषक,

रामू

१० वीं कक्षा, रो.नं.-27

सरकारी हाईस्कूल

लक्कुंडी - 591102.

सेवा में,

प्रधान अध्यापक,

सरकारी हाईस्कूल

लक्कुंडी - 591102.

विषय :- छुट्टी की अनुमति हेतु प्रार्थना पत्र

महोदय,

दिनांक 07-07-2014 और 08-07-2014 के दिन हमारे घर में बडे भैया की शादी होनेवाली है, तो इन दिनों मैं स्कूल नहीं आ पाउँगा।

अत: आपसे निवेदन है कि दो दिनों के लिए छुट्टी की अनुमति दें। पठित पाठ को मैं आते ही पूरा कर लूँगा।

सधन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी छात्र,

रामू,

निबंध लेखन (४ अंक)

१. महंगाई: एक समस्या

* **<u>प्रस्तावना</u>** :- महंगाई आज हर किसी के मुख पर चर्चा का विषय बन चुका है। विष्व का हर देष इस से ग्रसित होता जा रहा है। भारत जैसे विकासषील देषों के लिए तो यह चिंता का विषय बनता जा रहा है। महंगाई ने आम जनता का जीवन अत्यन्त दुष्कर कर दिया है। आज दैनिक उपभोग की वस्तुएं हों अथवा रिहायशी वस्तुएं, हर वस्तु की कीमत दिन-व-दिन बढ़ती और पहुंच से दूर होती जा रही है।

* **<u>महंगाई के कारण</u>** :- महंगाई के कारण हम अपने दैनिक उपभोग की वस्तुओं में कटौती करने को विवष होते जा रहे हैं। कुछ वर्ष पूर्व तक जहां साग-सबिजयां

कुछ रूपयों में हो जाती थीं, आज उसके लिए लोगों को सैकड़ों रूपये चुकाने पड़ रहे हैं। वेतनभोगियों के लिए तो यह अभिषाप की तरह है। महंगाई की तुलना में वेतन नहीं बढ़ने से वेतन और खर्च में सामंजस्य स्थापित नहीं हो पा रहा है। ऐसे में सरकार को हस्तक्षेप करके कीमतों पर नियंत्रण रखने के दूरगामी उपाय करना चाहिए। सरकार को महंगाई के उन्मूलन हेतू गहन अध्ययन करना चाहिए और ऐसे उपाय करना चाहिए ताकि महंगाई डायन किसी को न सताए।

*** उपसंहार** :- महंगाई के लिए तेजी से बढ़ती जनसंख्या, सरकार द्वारा लगाए जाने वाले अनावष्यक कर तथा मांग की तुलना में आपूर्ति की कमी है। बेहतर बाजार व्यवस्था से कुछ हद तक मुकित मिलेगी। पेटोलियम उत्पाद, माल भाड़ा, बिजली आदि जैसी मूलभूत विषयों पर जब-तब बढ़ोतरी नहीं करना चाहिए। इन में वृद्धि का विपरित प्रभाव हर वस्तु के मूल्य पर पड़ता है। सरकार की चपलता ही महंगाई को नियंत्रित कर सकती है।

*****

२. स्वच्छ भारत अभियान

* **प्रस्तावना** :- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत की स्वतंत्रता से पहले अपने समय के दौरान "स्वच्छता आजादी से अधिक महत्वपूर्ण है" कहा था। वे भारत के बुरे और गन्दी स्थिति से अच्छी तरह परिचित थे| उन्होंने भारत के लोगों को साफ-सफाई और स्वच्छता के बारे और इससे अपने दैनिक जीवन में शामिल करने पे बहोत जोर दिया था। हालांकि यह लोगो के कम रूचि के कारण असफल रहा। भारत की आजादी के कई वर्षों के बाद, सफाई के प्रभावी अभियान के रूप में इसे आरम्भ किया गया है और लोगो के सक्रिय भागीदारी चाहती है जिससे इस मिशन को सफलता मिले।

* **स्वच्छ भारत अभियान की महता** :- भारत के राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने जून 2014 में संसद को संबोधित करते हुए कहा कि "एक स्वच्छ भारत मिशन शुरू किया जाएगा जो देश भर में स्वच्छता, वेस्ट मैनेजमेंट और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए होगा। यह महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर 2019 में हमारे तरफ से श्रद्धांजलि होगी"। महात्मा गांधी के सपने को पूरा करने और दुनिया भर में भारत को एक आदर्श देश बनाने के क्रम में, भारत के प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी के जन्मदिन (2 अक्टूबर 2014) पर स्वच्छ भारत अभियान नामक एक अभियान शुरू किया। इस अभियान के पूरा होने का लक्ष्य 2019 है जो की महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती है|

इस अभियान के माध्यम से भारत सरकार वेस्ट मैनेजमेंट तकनीकों को बढ़ाने के द्वारा स्वच्छता की समस्याओं का समाधान करेगी। स्वच्छ भारत आंदोलन पूरी तरह से देश की आर्थिक ताकत के साथ जुड़ा हुआ है। महात्मा गांधी के जन्म की तारीख मिशन के शुभारंभ और समापन की तारीख है। स्वच्छ भारत मिशन शुरू करने के पीछे मूल लक्ष्य, देश भर में शौचालय की सुविधा देना, साथ ही दैनिक दिनचर्या में लोगों के सभी अस्वस्थ आदतो को समाप्त करना है। भारत में पहली बार सफाई अभियान 25 सितंबर 2014 में शुरू हुयी और इसका आरम्भ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सड़क की सफाई से की गयी|

* **उपसंहार** :- इस मिशन की सफलता परोक्ष रूप से भारत में व्यापार के निवेशकों का ध्यान आकर्षित करना, जीडीपी विकास दर बढ़ाने के लिए, दुनिया भर से पर्यटकों को ध्यान खींचना, रोजगार के स्रोतों की विविधता लाने के लिए, स्वास्थ्य लागत को कम करने, मृत्यु दर को कम करने, और घातक बीमारी की दर कम करने और भी कई चीजो में सहायक होंगी। स्वच्छ भारत अधिक पर्यटकों को लाएगी और इससे आर्थिक हालत में सुधार होगी। भारत के प्रधानमंत्री ने हर भारतीय को 100 घंटे प्रति वर्ष समर्पित करने के लिए अनुरोध किया है जोकि 2019 तक इस देश को एक स्वच्छ देश बनाने के लिए पर्याप्त है|

३. इंटरनेट

* **प्रस्तावना** :- आधुनिक समय में, पूरी दुनिया में इंटरनेट एक बहुत ही शक्तिशाली और दिलचस्प माध्यम बनता जा रहा है। ये एक नेटवर्कों का नेटवर्क है और कई सारी सेवाओं तथा संसाधनों का समूह है जो हमें कई प्रकार से लाभ पहुँचाता है। इसके इस्तेमाल से हमलोग कहीं से भी वर्ल्ड वाइड वेब तक पहुँच सकते है। ये हमें बड़ी तादाद में सुविधा मुहैया कराता है जैसे-ईमेल, सर्फिंग सर्च इंजन, सोशल मीडिया के द्वारा बड़ी हस्तियों से

जुड़ना, वेब पोर्टल तक पहुँच, शिक्षाप्रद वेबसाइटों को खोलना, रोजमर्रा की सूचनाओं से अवगत रहना, विडियो बातचीत आदि। ये सभी का सबसे अच्छा दोस्त बनता है।

* **इंटरनेट की महता** :- आधुनिक समय में लगभग हर कोई इंटरनेट का इस्तेमाल विभिन्न उद्देश्यों के लिये कर रहा है। जबकि हमें अपने जीवन पर इससे पड़ने वाले फायदे-नुकसान के बारे में भी जानना चाहिये। विद्यार्थीयों के लिये इसकी उपलब्धता जितनी लाभप्रद है उतनी ही नुकसानदायक भी क्योंकि बच्चे अपने माता-पिता के चोरी से इसके माध्यम से गलत वेबसाइटों का भी इस्तेमाल करते है जोकि उनके भविष्य को नुकसान पहुँचा सकता है। ज्यादातर माता-पिता इस खतरे को समझते है लेकिन कुछ इसे नज़रअंदाज कर देते है और खुलकर इंटरनेट का इस्तेमाल करते है। इसलिये घर में बच्चों द्वारा इंटरनेट का इस्तेमाल अभिवावकों की देखरेख में होनी चाहिये। अपने कम्प्यूटर सिस्टम में पासवर्ड और प्रयोक्ता नाम डाल कर अपने खास डाटा को दूसरों से सुरक्षित रख सकते है। इंटरनेट हमें किसी भी ऐप्लिकेशन प्रोग्राम के द्वारा अपने दोस्त, माता-पिता और शिक्षकों को किसी भी क्षण संदेश भेजने की आजादी देता है। ये जान कर हैरानी होगी कि उत्तरी कोरिया, म्यांमार आदि कुछ देशों में इंटरनेट पर पाबंदी है क्योंकि वो इसे बुरा समझते है।

* **उपसंहार** :- कभी-कभी इंटरनेट से सीधे-तौर पर कुछ भी डाउनलोड करने के दौरान, हमारे कम्प्यूटर में वाइरस, मालवेयर, स्पाइवेयर, और दूसरे गलत प्रोग्राम आ जाते है जो हमारे सिस्टम को नुकसान पहुँचा सकते है। ऐसा भी हो सकता है कि हमारे सिस्टम में रखे डाटा को बिना हमारी जानकारी के पासवर्ड होने के बावजूद भी इंटरनेट के द्वारा हैक कर लिया जाये। इंटरने से भी लाभ भी हैं और हानियाँ भी हैं, अब सिर्फ हम निर्भर होता है कि इसका इस्तेमाल कैसे करते हैं।

४. बढती हुई जनसंख्या

* **प्रस्तावना** :- जनसंख्या किसी भी राष्ट्र के लिए अमूल्य पूंजी होती है, जो वस्तुओं व सेवाओं का उत्पादन करती है, वितरण करती है और उपभोग भी करती है । जनसंख्या देश के आर्थिक विकास का संवर्द्धन करती है । इसीलिए जनसंख्या को किसी भी देश के साधन और साध्य का दर्जा दिया जाता है । लेकिन अति किसी भी चीज की अच्छी नहीं होती । फिर चाहे वह अति जनसंख्या की ही क्यों न हो ? वर्तमान में भारत की जनसंख्या वृद्धि इसी सच्चाई का उदाहरण है ।

* **जनसंख्या वृद्धि की समस्या** :- जनसंख्या वृद्धि के कारण पूरे देश की दो तिहाई शहरी आबादी को २०३० में शुद्ध पेय जल नसीब नहीं होगा । वर्तमान में पानी की प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति उपलब्धता जहाँ १५२५ घन मी. है, वहीं २०२५ में यह उपलब्धता मात्र १०६० घन मी. होगी । वर्तमान में प्रति दस हजार व्यक्तियों पर ३ चिकित्सक तथा १० बिस्तर है, २०३० में उनके बारे में सोचना भी मुश्किल होगा । भारत की जनसंख्या वृद्धि के लिए जिम्मेदार राज्यों में आंध्र-प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल देश की कुल आबादी का १४ प्रतिशत योगदान करते हैं तो वहीं महाराष्ट्र, गुजरात इसमें ११ प्रतिशत की वृद्धि करते हैं । जनसंख्या वृद्धि के बोझ का ही यह परिणाम है कि एक तरफ जहाँ हमारी जमीन उर्वरकों के कारण अनउपजाऊ होती जा रही है । पैदावार कम होने के कारण लोग आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं ।

विश्व के कृषि भू-भाग का मात्र २.४ प्रतिशत भारत में है जबकि यहाँ की आबादी दुनिया की कुल आबादी का १६.७ प्रतिशत है । विश्व में सबसे पहले १९५२ में आधिकारिक रूप से जनसंख्या नियंत्रण हेतु परिवार नियोजन कार्यक्रम को अपनाया ।

* **उपसंहार** :- जनसंख्या वृद्धि की गति से मानव की आवश्यकताओं और संसाधनों की पूर्ति करना असंभव होता जा रहा है । इससे जीवन मूल्यों में गिरावट आ रही है । अमीर और अमीर होते जा रहे हैं, गरीब और गरीब । अमीर-गरीब के बीच की खाई गहराती जा रही है । पर्यावरण विषाक्त करने में भी जनसंख्या एक प्रमुख कारण है । इन सारी बातों पर गौर करें तो यही निष्कर्ष निकलकर आता है कि जनसंख्या पर नियंत्रण युद्ध स्तर पर करना होगा ।

५. बेरोजगारी

प्रस्तावना :- उस विशेष अवस्था को, जब देश में कार्य करनेवाली जनशक्ति अधिक होती हैं किंतु काम करने के लिए राजी होते हुए भी बहुतों को प्रचलित मजदूरी पर कार्य नहीं मिलता, **बेरोजगारी** (Unemployment) की

संज्ञा दी जाती है। ऐसे व्यक्तियों का जो मानसिक एवं शारीरिक दृष्टि से कार्य करने के योग्य और इच्छुक हैं परंतु जिन्हें प्रचलित मजदूरी पर कार्य नहीं मिलता, उन्हें **बेकार** कहा जाता है। मजदूरी की दर से तात्पर्य प्रचलित मजदूरी की दर से है और मजदूरी प्राप्त करने की इच्छा का अर्थ प्रचलित मजदूरी की दरों पर कार्य करने की इच्छा है। यदि कोई व्यक्ति उसी समय काम करना चाहे जब प्रचलित मजदूरी की दर पंद्रह रुपए प्रतिदिन हो और उस समय काम करने से इन्कार कर दे जब प्रचलित मजदूरी बारह रुपए प्रतिदिन हो, ऐसे व्यक्ति को बेकार अथवा बेरोजगारी की अवस्था से त्रस्त नहीं कहा जा सकता।

* **<u>बेरोजगारी समस्या का असर</u>** :- भारत एक विशाल जनसंख्या वाला राष्ट्र है. जनसंख्या जितनी तेजी से विकास कर रही है, व्यक्तियों का आर्थिक स्तर और रोजगार के अवसर उतनी ही तेज गति से गिरते जा रहे हैं. भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए यह संभव नहीं है कि वह इतनी बड़ी जनसंख्या को रोजगार दिलवा सके. रोजगार की तलाश में दिन-रात एक कर रहे व्यक्तियों की संख्या, साधनों और उपलब्ध अवसरों की संख्या से कहीं अधिक है. यही कारण है कि आज भी अधिकांश युवा बेरोजगारी में ही जीवन व्यतीत करने के लिए विवश हैं. बेरोजगारी से जुड़ा मसला केवल बढ़ती जनसंख्या तक ही सीमित नहीं है. हमारी व्यवस्था और उसमें व्याप्त कमियां भी इसके लिए प्रमुख रूप से उत्तरदायी हैं. भ्रष्टाचार ऐसी ही एक सामाजिक और नैतिक बुराई है, जिसका अनुसरण हमारी सरकारें और व्यवस्था बिना किसी हिचक के करती हैं. पैसे के एवज में अवसरों की दलाली करना या भाई-भतीजावाद के फेर में पड़ते हुए अपने संबंधियों को स्थान उपलब्ध करवाना कोई नई बात नहीं, बल्कि हमारी सोसाइटी की एक परंपरा है. जिसका कुप्रभाव योग्य व्यक्तियों और उनकी काबिलियत पर पड़ता हैं. परिणामस्वरूप कई युवा विवश होकर अपने परिवार के लिए अनैतिक कृत्यों में लिप्त हो जाते हैं। इतना ही नहीं विकास और औद्योगीकरण के नाम पर हमारी कल्याणकारी सरकारें बहुराष्ट्रीय कम्पनियों व बड़े पूंजीपतियों के लिए गरीब खेतिहर किसानों से बहुत थोड़े मूल्य पर भूमि का अधिग्रहण करने से भी पीछे नहीं हटतीं. उनका कहना यह है कि अधिग्रहित भूमि बंजर है, जबकि वास्तविकता यह है कि जो भूमि उस किसान और उसके पूरी परिवार को रोजगार उपलब्ध करवाती थी, वह बंजर कैसे हो सकती है।

<u>उपसंहार</u> :- वास्तव में बेरोजगारी कि समस्या एक दानव की तरह हमारे देश के नवयुवकों को खा रही है। भारत में बढ़ती बेरोजगारी को, जनसंख्या, बड़े पैमाने पर व्याप्त अशिक्षा और भ्रष्टाचार समान रूप से बल प्रदान कर रहे हैं. इसी कारण देश में आपराधिक वारदातों से संबंधित आंकड़ा भी दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है. अगर संजीदा होकर इन सभी कारकों में से एक को भी घटाने का प्रयास किया जाए, तो बेरोजगारी की समस्या को समाप्त करना आसान हो सकता है।

डॉ. मनीष रंजन 9480006858

व्याकरण

(व्याकरण में स्मरण के तीन प्रश्न तीन अंक के लिए और समझना के पाँच प्रश्न पाँच अंक के लिए है।)

संधि

दीर्घसंधि	गुण संधि	वृध्दि संधि	यण संधि	अयादिसंधि	व्यंजन संधि	विसर्गसंधि
समानाधिकार	**गजेंद्र**	**एकैक**	**अत्यधिक**	**चयन**	**दिग्ग**	**निश्चय**
धर्माधिकारी	**परमेश्वर**	**मतैक्य**	**इत्यादि**	**नयन**	**सद्वाणी**	**मनोरथ**
विद्यार्थी	**महेन्द्र**	**सदैव**	**प्रत्युपकार**	**गायक**	**वाग्जल**	**दुर्गंध**
विद्यालय	**रमेश**	**महैश्वर्य**	**मन्वंतर**	**नायिका**	सज्जन	निश्चिंत
कवींद्र	**गणेश**	**परमौज**	**स्वागत**	**भवन**	**सदाचार**	**निष्कपट**
गिरीश	**महोत्सव**	**वनौषध**	**पित्राज्ञा**	**पावन**	**जगन्नाथ**	**नीरस**
महीन्द्र	**महोर्मि**	सदैव	**पित्रनुमति**	**नाविक**	**वाङ्मय**	**पुरोहित**
पर्वतावली	**सप्तर्षि**		**पितृपदेश**		**वागीश**	
लघूत्तर	**महर्षि**				**षड्दर्शन**	
वधूत्सव	**सूर्योदय**					

नमूने के प्रश्न : इनमे से गुण संधि का उदाहरण है -

अ) पुस्तकालय आ) सदैव इ) गणेश ई) पर्यावरण

`धर्माधिकारी' इस संधि का उदाहरण है -

अ) गुणसंधि आ) दिर्घसंधि इ) वृध्दिसंधि ई) यण् संधि

*****

समास

अव्ययीभाव समास	कर्मधारय समास	तत्पुरुष समास	द्वंद्व समास	व्दिगु समास	बहुव्रीहि समास
आजन्म	सदधर्म	**कार्यकुशल**	श्रद्धा-भक्ति	पंचवटी	महात्मा
बेखटके	पीतांबर	**शरणागत**	**सीता-राम**	**त्रिधारा**	वीणापाणी
भरपेट	मुखचंद्र	**नरश्रेष्ठ**	**पाप-पुण्य**	**चौराह**	**त्रिनेत्र**
यथासंभव	करकमल	**ग्रंथकार**	**सुबह-शाम**	**सतसई**	**लंबोदर**
अनजाने	**कनकलता**	**देशभक्ति**	**दाल-रोटी**	नवरात्री	**दशानन**
प्रतिदिन	**चंद्रमुख**	**जन्मांध**	**भला-बुरा**	**शताब्दी**	**घनश्याम**
बेहोश	**निलाकाश**	**राजवंश**	**राजा-रानी**	**त्रिदेव**	नीलकंठ

इनमेंद्विगुसमासकाउदाहरणहै -

अ) पंचवटी आ) राजवंश इ) सीता-राम ई) सभाभवन

`राजवंश' इससमासकाउदाहरणहै -

अ) तत्पुरूषसमास आ) द्वंद्वसमास इ) द्विगुसमास ई) कर्मधारय

******

कारक

कारक के आठ भेद :-

क्सं	कारक	विभक्ति	रुप
१.	कर्ता कारक	ने	मैं ने, तुम ने, हम ने
२.	कर्म कारक	को	तुम को, आप को
३.	करण कारक	से	हम से, आप से
४.	संप्रदान कारक	को,के लिए	हम को, आप के लिए
५.	अपादान कारक	से	हम से, आप से
६.	संबंध कारक	का,की,के रा.री,रे	आपका,आपकी,आपके हमारा,हमारी,हमारे
७.	अधिकरण कारक	में, पर	हम में, हम पर
८.	संबोधन कारक	अरे,हे,ओ,हो,वाह	हे!राम

नमूनेकाप्रश्न : रिक्तस्थानमेंउचितकारकहोगा।

`गंगा' हिमालय _________ निकलतीहै।

अ) को आ) का इ) से ई) पर

विराम चिह्न

१. अल्प विराम ---- (,) २.अर्ध विराम ----- (;)

३. पूर्ण विराम ---- (।) ४. प्रश्न चिह्न --- (?)

५. विस्मयादिबोधक चिह्न ----- (!) ६. योजक चिह्न --- (-)

७. उध्दरण चिह्न ------(" ") (' ') ८. कोष्ठक चिह्न --- ( )

९. विवरण चिह्न ----- (:-) / (:)

नमूने के प्रश्न :

गिल्लू के जीवन का प्रथम वसंत आया । वाक्य में प्रयुक्त विराम चिन्ह है ।

अ) प्रश्नवाचक आ) अल्पविराम इ) योजक ई) पूर्णविराम

*****

● अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

जो दूसरों की भलाई करता हो - परोपकारी

जो हर समय हँसता रहता हो - हँसमुख

जो सबसे प्रसन्नतापूर्वक मिलता-जुलता हो -मिलनसार

जो ईश्वर में विश्वास करता हो - आस्तिक

जो सब कुछ जानता हो - सर्वज्ञ

जो गीत गाता हो - गायक

जिसकी कल्पना की जा सके - काल्पनिक

कुछ और उदा :-

अपरिचित, मितभाषी, कवि, कवयित्री, अशक्त, पूजनीय, मांसाहारी, शाकाहारी, निर्दयी, कृपालू, निराकार, सर्वव्यापी, निरर्थक, सदाचारी, सहपाठी ।

डॉ. सुनील पंडित 9480006858

पाठों के अभ्यास से :-

१.कविता लिखनेवाला	- कवि
२.निबंध लिखनेवाला	- निबंधकार
३.लेख लिखनेवाला	- लेखक
४.कहानी लिखनेवाला	- कहानीकार
५.उपन्यास लिखनेवाला	- उपन्यासकार
६.शिकार करनेवाला	- शिकारी
७.कपडे धोनेवाला	- धोबी
८.सब्जी बेचनेवाला	- कुंजडा
९.कपडे बुननेवाला	- बुनकर
१०.बहुत बोलनेवाला	-बाचाल

● कि-की का प्रयोग

- 'कि' का प्रयोग :-
- 'कि' कारण बोधक अव्यय है। कार्य कारण वाचक अव्यय के रुप में उप वाक्यों के आरंभ में प्रयोग होता है।

'कि' ಇದು ಕಾರಣ ಬೊಧಕ ಅವ್ಯಯವಾಗಿದೆ. ಕಾರ್ಯ ಕಾರಣ ವಾಚಕ ಅವ್ಯಯಗಳ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಉಪವಾಕ್ಯಗಳ ಆರಂಭದಲ್ಲಿ ಇದನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸುತ್ತಾರೆ.

जैसे-

क)१. राम ने कहा कि उनके पिताजी का नाम दशरथ था।
२. पुलिस ने चोर को इतना पीटा कि वह बेहोश हो गया।
३. बस रुकी भी नहीं थी कि लोग उसकी ओर दौड पडे।
४. पिताजी मुझे पैसे देनेवाले ही थे कि चाचाजी ने कहा " उसे पैसा मत दो।"
५. मैं बाहर जानेवाला ही था कि बारिश आ गयी।

- 'कि' अव्यय के प्रयोग से वाक्यार्थ में विकल्प का बोध होता है।

जैसे-

ख)१. तुम चाय पिओगे कि काफी?
२. राम आया कि कृष्ण?

- **'की' का प्रयोग :-**
- स्त्रीलिंग एकवचन तथा बहुवचन सूचक संज्ञा शब्दों के संबंध बताने के लिए 'की' का प्रयोग होता है।

ಸ್ತ್ರೀಲಿಂಗಗಳ ಏಕವಚನ ಅಥವಾ ಬಹುವಚನಗಳನ್ನು ಸೂಚಿಸುವ ನಾಮಪದಗಳ ಸಂಬಂಧವನ್ನು ತಿಳಿಸುವಾಗ 'की' ಯನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸುತ್ತಾರೆ.

जैसे :-

१. भारत की राजधानी	४. मोहन की किताबें
२. शहर की लडकियाँ	५. पिताजी की किताब
३. बेटे की लडकी	६. घर की रोटियाँ

सु. सुनील चंद्र 9480006858

७. आप <u>की</u> बातें

प्रेरणार्थक क्रिया शब्द

क्र.सं	धातु	क्रिया	प्र.प्रे.रुप	व्दि.प्रे.रुप
१	**पढ**	पढना	पढाना	पढवाना
२	**कर**	करना	कराना	करवाना
३	**उठ**	उठना	उठाना	उठवाना
४	**सुन**	सुनना	सुनाना	सुनवाना
५	**समझ**	समझना	समझाना	समझवाना
६	चल	चलना	चलाना	चलवाना
७	हँस	हँसना	हँसाना	हँसवाना
८	मिल	मिलना	मिलाना	मिलवाना
९	चिपक	चिपकना	चिपकाना	चिपकवाना
१०	ठहर	ठहरना	ठहराना	ठहरवाना
११	पकड	पकडना	पकडाना	पकडवाना
१२	लिख	लिखना	लिखाना	लिखवाना
१३	जीत	जीतना	जिताना	जितवाना
१४	छेड	छेडना	छिडाना	छिडवाना
१५	दौड	दौडना	दौडाना	दौडवाना
१६	ओढ	ओढना	ओढाना	ओढवाना
१७	लौट	लौटना	लौटाना	लौटवाना
१८	जग	जगना	जगाना	जगवाना
१९	देख	देखना	दिखाना	दिखवाना
२०	खेल	खेलना	खिलाना	खिलवाना
२१	बैठ	बैठना	बिठाना	बिठवाना
२२	दे	देना	दिलाना	दिलवाना
२३	भेज	भेजना	भिजाना	भिजवाना
२४	सो	सोना	सुलाना	सुलवाना
२६	धो	धोना	धुलाना	धुलवाना
२७	पी	पीना	पिलाना	पिलवाना
२८	सी	सीना	सिलाना	सिलवाना

नमूनाकेप्रश्न : इनमेंप्रथमप्रेरणार्थकक्रियारूपहै।

अ) लिखना आ) लिखाना इ) लिखावट ई) लिखवाना

विलोम शब्द

शाम x सुबह	अंधकार x प्रकाश	जय x पराजय	शिक्षित x अशिक्षित
अच्छा x बुरा	अमृत x विष	सफल x असफल	लिखित x अलिखित
आगे x पीछे	आधार x निराधार	आदर x अनादर	मजबूतx कमजोर
आय x व्यय	परतंत्र x स्वतंत्र	निकट x दूर	आवश्यक x अनावश्यक
ऊपर x नीचे	वरदान x अभिशाप	सवाल x जवाब	अनुपयुक्तx उपयुक्त
भीतर x बाहर	स्थिरx अस्थिर	बढना x घटना	विश्वास x अविश्वास
चढना x उतरना	ईमान x बेईमान	संतोष x असंतोष	स्वस्थता x अस्वस्थता
खरीदना x बेचना	खबर x बेखबर	विदेश x स्वदेश	सदाचार x अनाचार
गरीब x अमीर	आदि x अंत	आयात x निर्यात	चैन x बेचैन
प्रसिद्ध x कुख्यात	होश x बेहोश	सजीव x निर्जीव	रोजगार x बेरोजगार
शांति x अशांति	सुंदर x कुरुप	पूर्व x पश्चिम	उपस्थिति x अनुपस्थिति
निराशा x आशा	उचित x अनुचित	बदबूx खुशबू	मुमकिन x नामुमकिन
दिन x रात	पाप x पुण्य	हँसनाx रोना	स्वीकार x अस्वीकार
बडा x छोटा	प्रिय x अप्रिय	सजीव x निर्जीव	दुरुपयोग x सदुपयोग

नमूनेकाप्रश्न : `मजबूत' काविलोमशब्दहै।

अ) मजबूर आ) कोमल इ) कमजोर ई) मुलायम

लिंग

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नौकर	नौकरानी	शेर	शेरनी	मोर	मोरनी	श्रीमान	श्रीमती
भाग्यवान	भाग्यवती	दुबला	दुबली	कुत्ता	कुतिया	साहब	साहिबा
स्वामी	स्वामिन	ठाकुर	ठकुराइन	मयूर	मयूरी	भाई	बहन
भैंसा	भैंस	पंडित	पंडिताइन	लेखक	लेखिका	पति	पत्नी
नर	नारी	आदमी	औरत	हाथी	हथिनी	बाप	माँ
मालि	मालकिन	सेवक	सेविका	कवि	कवयित्री	पुरुष	महिला
बेटा	बेटी	बालक	बालिका	युवक	युवती	बूढा	बूढी

नमूनेकाप्रश्न: `लेखक' का अन्यलिंग शब्द है।

अ) लेखकी आ) लेखिका इ) कवि ई) कवयित्री

****

वचन

एकवचन	बहु वचन	एकवचन	बहु वचन	एकवचन	बहु वचन
आँख	आँखें	चीज़	चीज़ें	अध्यापिका	अध्यापिकाएँ
बहन	बहनें	कुत्ता	कुत्ते	माता	माताएँ
पुस्तक	पुस्तकें	केला	केले	लता	लताएँ

सड़क	सड़के	कौआ	कौए	नौका	नौकाएँ
पिता	पिता	गधा	गधे	कला	कलाएँ
बात	बातें	बेटा	बेटे	कविता	कविताएँ
पर्दा	पर्दे	लड़की	लड़कियाँ	थाली	थालियाँ
कोशिश	कोशिशें	खबर	खबरें	किताब	किताबें
गली	गलियाँ	प्रति	प्रतियाँ	गुड़िया	गुड़ियाँ
योजना	योजनाएँ	कला	कलाएँ	व्यवस्था	व्यवस्थाएँ
कहानी	कहानियाँ	उपाधि	उपाधियाँ	कपडा	कपडें
याद	यादें	पैसा	पैसे	चादर	चादर
घर	घर	परदा	परदें	बात	बातें
लिफाफा	लिफाफें	कमरा	कमरे	रेवडी	रेवडियाँ
पेड	पेड	फल	फल	रुपया	रुपए

नमूनेकाप्रश्न : `नौका' शब्दकाअन्यवचनहै।

अ) नौकाएँ आ) नाव इ) नाविक ई) नौकाओं

*****

मुहावरे

१. अंगूठा दिखाना = देने से स्पष्ट इन्कार करना

२. अंगारे उगलना = क्रोध में कठोर वचन बोलना

३. टस से मस न होना = विचलित न होना

४. पौ फटना = प्रभात होना

५. अक्ल का अंधा = मूर्ख

६. आँखें दिखाना = धमकाना, डराना

७. आँखे चुराना = अपने आप को छिपाना

८. आस्तीन का सँप = कपटी मित्र

१०. कान भरना = चुगली करना

११. अपना उल्लू सीधा करना = स्वार्थ पूरा करना

१२. आग बबूला होना = अत्यंत क्रोधित होना

१३. कमर कसना = तैयार होना

१४. दाल न गलना = सफल न होना

१५. छक्के छुड़ाना = बुरी तरह हराना

1.WÉzÉWuÉÉxÉ EQïlÉÉ - bÉoÉUÉ eÉÉlÉÉ |

2. oÉÉsÉ – oÉÉsÉ oÉcÉlÉÉ - ZÉiÉUÉ xÉ oÉcÉ eÉÉlÉÉ |

3. xÉÉiÉuÉ AÉxÉqÉÉlÉ mÉU mÉWÉcÉlÉÉ – AÍkÉMü WÉlÉÉ |

4. mÉxÉÏlÉÉ oÉWÉlÉÉ - mÉËU´ÉqÉ MüUlÉÉ |

5. ÌWqqÉiÉ lÉ WÉUlÉÉ - kÉÏUeÉ UZÉlÉÉ |

6. oÉÏQÉ EPÉlÉÉ - ÎeÉqqÉSÉUÏ sÉlÉÉ |

7. cÉlÉ Mü fÉÉQ mÉU ÌoÉPÉlÉÉ - AÍkÉMü mÉzÉxÉÉ MüUlÉÉ |

8. AaÉPÉ ÌSZÉÉlÉÉ - SlÉ xÉ xmÉ¹ ClMüÉU MüUlÉÉ |

9. AaÉÉU EaÉsÉlÉÉ - ¢üÉkÉ qÉ MüPÉU uÉcÉlÉ oÉÉsÉlÉÉ |

10. AmÉlÉÉ EssÉ xÉÏkÉÉ MüUlÉÉ - MüÉqÉ ÌlÉMüÉsÉlÉÉ / xuÉÉjÉ mÉUÉ MüUlÉÉ |

11. AÉaÉ oÉoÉsÉÉ WÉlÉÉ - ¢üÉÍkÉiÉ WÉlÉÉ |
12. AÉxÉqÉÉlÉ ÍxÉU mÉU EPÉlÉÉ - zÉÉU MüUlÉÉ |
13. MüqÉU MüxÉlÉ - iÉrÉÉU WÉlÉÉ |
14. ZÉlÉ mÉxÉÏlÉÉ LMü MüUlÉÉ - oÉWÒiÉ qÉWlÉiÉ MüUlÉÉ |
15. NYMü NQÉlÉÉ - oÉUÏ iÉUW WUÉlÉÉ |
16. SÉsÉ lÉ aÉsÉlÉÉ - xÉTüsÉ lÉ WÉlÉÉ |
17. AmÉlÉ mÉUÉ mÉU MüsWÉQÏ qÉÉUlÉÉ – AmÉlÉÉ lÉMüxÉÉlÉ ZÉS MüUlÉÉ |
18. AÉZÉÉ MüÉ iÉÉUÉ - AirÉiÉ ÌmÉrÉ |
19. DS MüÉ cÉÉS WÉlÉÉ - oÉWÒiÉ ÌSlÉÉ Mü oÉÉS ÌSZÉÉD SlÉÉ |
20. bÉÉQÉ oÉcÉMüU xÉÉlÉÉ - ÌlÉÎzcÉiÉ WÉMüU xÉÉlÉÉ |
21. SÉsÉ qÉ MüNÉ MüÉsÉÉ WÉlÉÉ - xÉSW MüÐ oÉÉiÉ WÉlÉÉ |
22. TüsÉÉ lÉ xÉqÉÉlÉÉ - oÉWÒiÉ mÉxÉlÉlÉ WÉlÉÉ |
23. sÉÉWÉ sÉlÉÉ - rÉ® MüUlÉÉ |
24. ´ÉÏ aÉhÉzÉ MüUlÉÉ - AÉUqpÉ MüUlÉÉ |
25. lÉÉ-SÉ arÉÉUW WÉlÉÉ - pÉÉaÉ eÉÉlÉÉ |
26. AÉZÉ sÉÉsÉ WÉlÉÉ - aÉxxÉÉ WÉlÉÉ |
27. cÉ iÉMü lÉÉ MüUlÉÉ - cÉmÉcÉÉmÉ Mü¹ xÉWlÉÉ |

* नमूने का प्रश्न : `टस से मस न होना' इस मुहावरे का अर्थ है।

अ) शोरनमचाना आ) हानीपाहुँचाना

इ) बहुतखुशहोना ई) विचलितनहोना

• पर्यायवाची (समानार्थक) शब्द

पहाड़ - पर्वत , अचल, भूधर ।

आग- अग्नि,अनल,दहन,ज्वलन,धूमकेतु,कृशानु ।

अमृत-सुधा,अमिय,पियूष,सोम,मधु,अमी।

असुर-दैत्य,दानव,राक्षस,निशाचर,रजनीचर,दनुज।

अश्व - वाजि,घोडा,घोटक,रविपुत्र ,हय,तुरंग .

आम-रसाल,आम्र,सौरभ,मादक,अमृतफल,सहुकार ।

अंहकार - गर्व,अभिमान,दर्प,मद,घमंड।

आँख - लोचन, नयन, नेत्र, चक्षु, दृग, विलोचन, दृष्टि।

आकाश - नभ,गगन,अम्बर,व्योम, अनन्त, आसमान।

आनंद - हर्ष,सुख,आमोद,मोद,प्रमोद,उल्लास।

आश्रम - कुटी ,विहार,मठ,संघ,अखाडा।

आंसू - नेत्रजल,नयनजल,चक्षुजल,अश्रु ।

इंद्र - देवराज,सुरेन्द्र ,सुरपति ,अमरेश ,देवेन्द्र ,वासव ,सुरराज ,सुरेश .

इन्द्राणी - इंद्रवधु,शची,पुलोमजा .

ईश्वर- भगवान,परमेश्वर,जगदीश्वर ,विधाता।

इच्छा - अभिलाषा,चाह,कामना,लालसा,मनोरथ,आकांक्षा।

ओंठ -ओष्ठ,अधर,होठ।

9480006858

कमल-पद्म,पंकज,नीरज,सरोज,जलज,जलजात ।

कृपा - प्रसाद,करुणा,दया,अनुग्रह।

गाय- गौ,धेनु,सुरभि,भद्रा ,रोहिणी।

गधा - गर्दभ ,खर,धूसर ,शीतलावाहन,चक्रीवान.

चरण -पद,पग,पाँव, पैर ।

चातक - सारन,मेघजीवन ,पपीहा ,स्वातीभक्त .

किताब -पोथी ,ग्रन्थ ,पुस्तक ।

कपड़ा -चीर,वसन, पट ,वस्त्र ,अम्बर ,परिधान ।

कामदेव - मन्मथ ,मनोज,काम,मार ,कंदर्प,अनंग ,मनसिज ,रतिनाथ ,मीनकेतू.

कुबेर - किन्नरपति , किन्नरनरेश ,यक्षराज ,धनाधिप ,धनराज ,धनेश .

किरण -ज्योति, प्रभा,रश्मि, दीप्ति, मरीचि ।

- **<u>पाठों के अभ्यास से :-</u>**

आयु :- उम्र, वय,

विपुल :- बहुत, ज्यादा, प्रचुर, अधिक

स्फूर्ति :- उत्साह, प्रेरणा, जोश

संपदा :- संपत्ति, दौलत, जायदाद, धन

गौरव :- सम्मान, आदर, सत्कार, अभिवादन

हिम्मत :- धैर्य, साहस

पेड :- वृक्ष, झाड

पक्षी :- पंछी, खग

महिला :- स्त्री, नारी

तबीयत :- स्वास्थ्य, आरोग्य, सेहत

पर्वत :- आद्रि, पहाड, गिरी

सागर :- समुद्र, समुंदर, रत्नाकर

आगार:- घर, ठिकाना, जगह

जल :- पानी, नीर, उदिक

आकाश :- आसमान, गगन, नभ

डॉ. सुनील परीट 9480006858

I. एक अंकवाले प्रश्न

1. लेखक का जी क्यों ललचा उठा ?

उत्तर:- दुकान पर रंगदार, गुलाबी सेब देखकर लेखक का जी ललचा उठा ।

२. रोज एक सेब खाने से किनकी जरूरत नहीं होगी ?

उत्तर:- रोज एक सेब खाने से डॉक्टरों की जरूरत नहीं होगी ।

३. इंटरनेट क्रान्ति का असर किस पर पडा है ?

उत्तर :- इंटरनेट क्रान्ति का असर बडे-बूढों से लेकर छोटे बच्चों पर पडा है ।

४. ई-गवर्नेंस क्या है ?

उत्तर :- उत्तर :- ई-गवर्नेन्स द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरन, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत लोगों को सूचित किया जाता है । इससे प्रशासन पारदर्शी बन जाता है ।

५. सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से किन-किन को प्रेरणा मिल सकती थी ?

उत्तर :- सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को प्रेरणा मिल सकती थी ।

६. फूल मालाएँ मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे ?

उत्तर :- फूल मालाएँ मिलने पर लेखक सोचने लगे कि- आस-पास कोई माली होता तो फूल-मालाएँ भी बेच लेता ।

८. लेखक पहनने के कपडे सिरहाने दबाकर क्यों सोये?

उत्तर:- होटेल के कमरे में बहुत सारी चोरियाँ हो रही थीं, इसलिए लेखक पहनने के कपडे सिरहाने दबाकर सोये ।

९. आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय पायी है ?

उत्तर :- आधुनिक पुरुष ने प्रकृति पर विजय पायी है ।

१० नर किन-किन को एक समान लाँघ सकता है ?

उत्तर :- नर नदी, पर्वत, समुद्र को एक समान लाँघ सकता है ।

११. 'मातृभूमि' कविता के कवि कौन है?

उत्तर :- 'मातृभूमि' कविता के कवि भगवतीचरण वर्मा हैं।

१२. जग के रुप को बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते हैं ?

उत्तर :- जग के रुप को बदलने के लिए कवि मातृभूमि (भारतमाता) से निवेदन करते हैं ।

१३. भारत माता के हाथों में क्या है?

भारत माता के एक हाथ में न्याय-पताका दूसरे हाथ में ज्ञान-दीप है।

१४. भारत के खेत कैसे है ?

भारत के खेत हरे-भरे है।

१५. भारत भूमि के अंदर क्या-क्या भरा हुआ है?

भारत भूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है।

१६. सुख-संपत्ति, धन-धाम को माँ कैसे बाँट रही है ?

सुख-संपत्ति, धन–धाम को माँ मुक्त-हस्त से बाँट रही है।

१७. लेखक चीजें खरीदने कहाँ गये थे ?

लेखक चीजें खरीदने चौके गये थे।

१८. लेखक का जी क्यों ललचा उठा?

गुलाब रंग के सेब को देखकर जी ललचा उठा।

१९. टोमाटो किस का आवश्यक अंग बन गया है ?

टोमाटो भोजन का आवश्यक अंग बन गया है|

२०. स्वाद में सेब किससे बढ़ कर नहीं है ?

स्वाद में सेब आम से बढ़कर नहीं है।

२१. रोज एक सेब खाने से किनकी जरूरत नहीं होगी ?

रोज एक सेब खाने से डॉक्टरों की जरूरत नहीं होगी।

२२. गिलहरी का बच्चा कहाँ पडा था ?

गिलहरी का बच्चा गमले और दीवार की संधि में पडा था।

२३. लेखिका ने गिल्लू के घावों पर क्या लगाया ?

लेखिका ने गिल्लू के घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।

२४. गिलहरी का लघुगात किसके भीतर बंद रहता था ?

गिलहरी का लघुगात लिफाफे के भीतर बंद रहता था।

२५. गिलहरि का प्रिय खाद्य क्या था ?

गिलहरि का प्रिय खाद्य काजू था।

२६. लेखिका ने किस कारण से अस्पताल में रहना पडा ?

लेखिका ने मोटर दुर्घटना के कारण से अस्पताल में रहना पडा था।

२७. गिलहरी गर्मी के दिनों में कहाँ लेट जाता था?

गिलहरी गर्मी के दिनों में सुराही पर लेट जाता था।

२८. गिलहरी की समाधि कहाँ बनायी गयी है?

गिलहरी की समाधि सोनजुही की लता के नीचे बनायी गयी है।

२९. मुखिया को किस के समान रहना चाहिए ?

मुखिया को मुख के समान रहना चाहिए.।

३०. दया किस का मूल है ?

दया धर्म का मूल है।

३१. पाप का मूल क्या है ?

पाप का मूल अभिमान है।

३२. तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी कौन है ?

तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी विद्या, विनय और विवेक है।

३३. इंटरनेट का अर्थ क्या है?

इंटरनेट अनगिनित कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

३४. इंटरनेट बैंकिंग द्वारा क्या भेजा जा सकता है?

इंटरनेट -बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

३५. समाज के किन क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है?

समाज में चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा आदि क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है।

३६. इंटरनेट. -- क्रांति का असर किस पर पडा है?

इंटरनेट का असर बडे-बूढे से लेकर छोटे बच्चों तक सबपर पडा है।

३७. लेखक दूसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे ?

लेखक एक सौ पचास रूपये बचाने के लिए दूसरे दर्जे में सफर करना चाहते थे ।

३८. स्वागत समिति के मंत्री किस को डांटने लगे ?

स्वागत समिति के मंत्री कार्यकर्ताओं को डॉटने लगे।

३९. सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से किन - किन को प्रेरणा मिल सकती है ?

सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बडी प्रेरणा मिल सकती है।

डॉ. सुनील परीट 9480006858

४०. लेखक ने धूप का चश्मा कहाँ रखा था?
लेखक ने धूप का चश्मा कमरे की टेबुल पर रखा था।
४१. वर्षों से सक्सेना के परिवार में कौन काम कर रहा है ?
वर्षों से सक्सेना के परिवार में साधोराम काम कर रहा है।
४२. रोबोनिल की मुलाकात किससे हुई?
रोबोनिल की मुलाकात रोबोदीप से हुई
४३. शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम लिखिए ?
शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम झबरू था।
४४. वैज्ञानिक लेखक का नाम लिखिए ?
वैज्ञानिक लेखक का नाम आइज़क आसिमोव है।
४५. बिछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघने कौन - सा पदक देकर सम्मान किया?
बिछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघने स्वर्ण - पदक देकर सम्मान किया |
४६. बिछेंद्री पाल को कौन - सा गौरव प्राप्त हुआ है ?
बिछेंद्री पाल को पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार गौरव प्राप्त हुआ है।
४७. सूर - श्याम पद के रचयिता कौन है ?
सूर - श्याम पद के रचयिता सूरदास है।
४८. यशोदा और नंद का रंग कैसा था ?
यशोदा और नंद का रंग गोरा था।
४९. बालकृष्ण का रंग कैसा था ?
बालकृष्ण का रंग काला था।
५०. कर्नाटक में कौन--कौन से जलप्रताप है ?
कर्नाटक में जोग, अब्बी गोकाक,शिवनसमुद्र आदि जलप्रताप है।
५१. किस नगर को सिलिकान सिटी कहा जाता है ?
बेंगलूरु नगर को सिलिकान सिटी कहा जाता है।
५२. हमें किस उम्र में अच्छी आदतें डालनी है ?
हमें छोटी उम्र में अच्छी आदतें डालनी है।
५३. बच्चों की तारीफ किसने की ?
बच्चों की तारीफ कलेक्टर साहब ने की।
५४. किससे डरकर नौका पार नहीं होती ?
लहरों से डरकर नौका कभी पार नहीं होती।
५५. किसकी मेहनत बेकार नहीं होती ?
कोशिश करने वालों की कभी मेहनत बेकार नहीं होती।

****

II. दो अंकोंवाले प्रश्न

1)छलनी से क्या-क्या कर सकते है?
छलनी से दूध छान सकते हैं।

छलनी से चाय छान सकते हैं।

2)बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से क्यों इनकार करता है ?

बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से इनकार करता है क्योंकि-उसे भीख समझता था। भीख नहीं लेना चाहता था।

1.AÉeÉMüsÉ ÍzÉÍ¤ÉiÉ xÉqÉÉeÉ qÉ ÌMüxÉMü oÉÉU qÉ ÌuÉcÉÉU ÌMürÉÉ eÉÉiÉÉ Wì ?

AÉeÉMüsÉ ÍzÉÍ¤ÉiÉ xÉqÉÉeÉ qÉ ' ÌuÉOÉÍqÉlÉ AÉU mÉÉOÏÌlÉ ' Mü oÉÉU qÉ ÌuÉcÉÉU ÌMürÉÉ eÉÉiÉÉ Wì |

2. SìMüÉlÉSÉU lÉ sÉZÉMü xÉ YrÉÉ MüWÉ ?

SìMüÉlÉSÉU lÉ sÉZÉMü xÉ MüWÉ ÌMü – ' oÉÉoÉeÉÏ oÉQì qÉeÉSÉU xÉoÉ AÉL Wì, ZÉÉxÉ MüzqÉÏÌU Mü | AÉmÉ sÉ eÉÉLÉ ZÉÉMüU iÉoÉÏrÉiÉ ZÉzÉ WÉ eÉÉrÉaÉÏ | '

3. SìMüÉlÉSÉU lÉ AmÉlÉ lÉÉMüU xÉ YrÉÉ MüWÉ ?

SìMüÉlÉSÉU lÉ AmÉlÉ lÉÉMüU xÉ MüWÉ ÌMü – ' xÉlÉÉ, AÉkÉ xÉU MüzqÉÏÌUÏ xÉoÉ ÌlÉMüÉsÉ sÉÉ | cÉlÉMüU sÉÉ | '

3. sÉÎZÉMüÉ lÉ ÌaÉssÉ Mü mÉÉhÉ MüxÉ oÉcÉÉrÉ ?

sÉÎZÉMüÉ ÌaÉssÉ MüÉ WÉsÉ xÉ EPÉMüU AmÉlÉ MüqÉUì qÉ sÉÉrÉÏ, ÌTüU ÂD xÉ UYiÉ mÉÉNìMüU bÉÉuÉÉ mÉU mÉÎlxÉÍsÉlÉ MüÉ qÉUWqÉ sÉaÉÉrÉÉ | MüD bÉOì Mü EmÉcÉÉU Mü EmÉUÉlìÉ ExÉMü qÉWì qÉ LMü oÉS mÉÉlÉÏ OmÉMüÉrÉÉ eÉÉ xÉMüÉ |

4. sÉÎZÉMüÉ MüÉ krÉÉlÉ AÉMüÌWÉiÉ MüUlÉ Mü ÍsÉL ÌaÉssÉ YrÉÉ MüUiÉÉ jÉÉ ?

sÉÎZÉMüÉ MüÉ krÉÉlÉ AÉMüÌWÉiÉ MüUlÉ Mü ÍsÉL ÌaÉssÉ ElÉMü mÉU iÉMü AÉMüU xÉU xÉ mÉUSì cÉRì eÉÉiÉÉ AÉU ÌTüU ExÉÏ iÉeÉÏ xÉ EiÉUiÉÉ | ExÉMüÉ rÉWì SÉQìlÉ MüÉ ¢üqÉ iÉoÉ iÉMü cÉsÉiÉÉ, eÉoÉ iÉMü sÉÎZÉMüÉ ExÉ EPÉ lÉ sÉ |

5. eÉlÉsÉÉoÉSÏlÉ lÉqÉÉeÉ Mü oÉÉU qÉ YrÉÉ MüWiÉ jÉ ?

eÉlÉsÉÉoÉSÏlÉ lÉqÉÉeÉ Mü oÉÉU qÉ MüWiÉ Wì ÌMü eÉoÉ iÉqÉ lÉqÉÉeÉ mÉRiÉ WÉ iÉÉ iÉqÉ AmÉlÉ zÉUÏU xÉ CiÉU oÉyqÉÉQì MüÉ LMü CxxÉÉ oÉlÉ eÉÉiÉ WÉ, ÎeÉxÉqÉ SÉsÉiÉ, AÉrÉ, eÉÉÌiÉ rÉÉ kÉqÉ – mÉjÉ MüÉ MüÉD pÉSpÉÉuÉ lÉWÏ WÉiÉÏ |

6. eÉlÉsÉÉoÉSÏlÉ lÉ MüÉlÉ-xÉÉ MüÉqÉ zÉÂ ÌMürÉÉ ?

AoSìsÉ MüsÉÉqÉeÉÏ Mü ÌmÉiÉÉeÉÏ eÉlÉsÉÉoÉSÏlÉ xjÉÉlÉÏrÉ PìMüSÉU AWqÉS eÉsÉÉsÉSSÏlÉ Mü xÉÉjÉ xÉqÉSì iÉOì Mü mÉÉxÉ lÉÉMüÉLÉ oÉlÉÉlÉ sÉaÉ |

7. NìsÉlÉÏ xÉ YrÉÉ-YrÉÉ MüU xÉMüiÉ Wì ?

NìsÉlÉÏ xÉ cÉÉrÉ NÉlÉ xÉMüiÉ Wì AÉU SìkÉ NÉlÉ xÉMüiÉ Wì | NìsÉlÉÏ UxÉÉDbÉU qÉ MüÉqÉ ÌMü uÉxiÉ Wì|

8. oÉxÉiÉ UÉeÉÌMüzÉÉU xÉ YrÉÉ ÌuÉlÉiÉÏ MüUiÉÉ Wì ?

oÉxÉiÉ UÉeÉÌMüzÉÉU xÉ ÌuÉlÉiÉÏ MüUiÉÉ Wì ÌMü, xÉÉWoÉ oÉOlÉ sÉÎÎeÉL, SxÉÏ oÉOlÉ Wì | xÉÉWoÉ ÌSrÉÉxÉsÉÉD sÉÎÎeÉL | xÉÉWoÉ, xÉoÉUì xÉ AoÉ iÉMü MüNì lÉWÏ ÌoÉMüÉ | AÉmÉ xÉ AÉzÉÉ jÉÏ | LMü iÉÉ sÉ sÉÎÎeÉL |

9. oÉxÉiÉ Mü mÉU SìZÉMüU QÊYOU lÉ YrÉÉ MüWÉ ?

oÉxÉiÉ Mü mÉU SìZÉMüU QÊYOU MüWiÉ Wì ÌMü, mÉÌQiÉeÉÏ LìxÉÉ sÉaÉiÉÉ Wì ÌMü mÉU MüÐ WQQÏ OìOì aÉD Wì | x¢üÏlÉ MüUMü SìZÉlÉÉ WÉaÉÉ | SìxÉUÉ mÉU PïÌMü Wì, mÉUiÉ CxÉ ApÉÏ iÉUiÉ AxmÉiÉÉsÉ sÉ eÉÉlÉÉ cÉÉÌWìL |

10. urÉÉmÉÉU AÉU oÉÌMüaÉ qÉ COUlÉOì xÉ YrÉÉ qÉSS ÍqÉsÉiÉÏ Wì ?

urÉÉmÉÉU qÉ COUlÉOì ²ÉUÉ bÉU oÉPì-oÉPì ZÉUÏSÉUÏ MüU xÉMüiÉ Wì | MüÉD pÉÏ ÌoÉsÉ pÉU xÉMüiÉ Wì | oÉÌMüaÉ qÉ COUlÉOì ²ÉUÉ SÌlÉrÉÉ MüÐ ÌMüxÉÏ pÉÏ eÉaÉWì mÉU cÉÉWì ÎeÉiÉlÉÏ pÉÏ UMüqÉ pÉeÉÏ eÉÉ xÉMüiÉÏ Wì |

11. D-aÉuÉlÉxÉ YrÉÉ Wì ?

D-aÉuÉlÉxÉ ²ÉUÉ xÉUMüÉU Mü xÉpÉÏ MüÉqÉMüÉeÉ MüÉ ÌuÉuÉhÉ, AÍpÉsÉZÉ, xÉUMüÉUÏ AÉSìzÉ MüÉ rÉiÉÉuÉiÉ sÉÉaÉÉ MüÉ xÉÍcÉiÉ ÌMürÉÉ eÉÉiÉÉ Wì | CxÉxÉ mÉzÉÉxÉlÉ mÉÉUSÍzÉ oÉlÉ xÉMüiÉÉ Wì |'

13. sÉÉÍsÉqÉ AÉU ÌMücÉÉ sÉÉsÉÏSÉqÉ eÉaÉsÉ MüÐ AÉU YrÉÉ cÉsÉ mÉQì ?

sÉÉÍsÉqÉ AÉU ÌMücÉÉ sÉÉsÉÏSÉxÉ SÉ SÉxiÉÉ lÉ iÉrÉ ÌMürÉÉ ÌMü uÉ qÉMüÉlÉ oÉlÉÉLÉaÉ | qÉÎzMüsÉ rÉWì jÉÉ ÌMü uÉ lÉWÏ eÉÉlÉiÉ jÉ ÌMü qÉMüÉlÉ MüxÉ oÉlÉÉL eÉÉiÉ Wì, CxÉÍsÉL uÉ mÉzÉAÉ xÉ mÉNì-iÉÉNì MüUlÉ Mü ÍsÉL eÉaÉsÉ MüÐ AÉU cÉsÉ mÉQì |

14. WÉjÉÏ lÉ SÉxiÉÉ MüÉ YrÉÉ E¨ÉU ÌSrÉÉ ?

WÉjÉÏ lÉ SÉxiÉÉ MüÉ E¨ÉU ÌSrÉÉ ÌMü "AÉaÉ MüÐ oÉÉiÉ iÉÉ qÉ lÉWÏ eÉÉlÉiÉÉ | qÉfÉ U¨ÉÏ – pÉU pÉÏ mÉiÉÉ lÉWÏ |"

15. SÉxiÉÉ lÉ ÌMülÉ-ÌMülÉ eÉÉlÉuÉUÉ xÉ qÉsÉÉMüÉiÉ MüÐ ?

SÉxiÉÉ lÉ "WÉjÉÏ, xÉÉmÉ, pÉxÉ, AÉU qÉNìsÉÏ" xÉ qÉsÉÉMüÉiÉ MüÐ |

16. xÉÉkÉÉUÉqÉ MüÉ YrÉÉ WìAÉ jÉÉ ?

xÉÉkÉÉUÉqÉ AcÉÉlÉMü LMü ÌSlÉ cÉsÉiÉÏ oÉxÉ xÉ ÌaÉUMüU ExÉ ZÉiÉUlÉÉMü cÉÉOì AÉ aÉD | ExÉ AxmÉiÉÉsÉ qÉ pÉiÉÏ MüUÉlÉÉ mÉQÉ |

17. MüWÉlÉÏ MüÉ OÉCmÉ MüUiÉ xÉqÉrÉ UÉoÉÉÌlÉsÉ MüÉ YrÉÉ WìAÉ ?

MüWÉlÉÏ OÉCmÉ MüUMü UÉoÉÉÌlÉsÉ MüÐ kÉÉÎiuÉMü AÉU iÉÉUÉ pÉU mÉÉUmÉjuÉÉsÉÏ ZÉÉmÉQÏ qÉ rÉMüÉrÉMü qÉÉlÉÉ lÉÏsÉÏ UÉzÉlÉÏ WÉ aÉD |

18.MüIÉÉOÉMü MüÐ mÉqÉZÉ IÉÌSrÉÉ AÉU eÉsÉmÉmÉÉÉiÉ MüÉlÉ-MüÉlÉ xÉ Wæû ?

MüIÉÉOÉMü MüÐ mÉqÉZÉ IÉÌSrÉÉ MüÉuÉUÏ, Müwhé AÉU iÉÑaÉpÉSì AÉÌS Wæû | MüIÉÉOÉMü MüÐ eÉsÉmÉmÉÉiÉ eÉÉaÉ, AooÉÏ, aÉÉMüÉMü, ÍzÉuÉlÉxÉqÉÑS AÉÌS Wæû |

19.qÉlÉwrÉ Mü ÍsÉL xÉZÉ MüÐ mÉÉÎmiÉ MüoÉ xÉpÉuÉ Wæû ?

qÉlÉwrÉ MüÉ xÉqÉrÉ lÉ¹ lÉÉ MüUlÉ xÉ, AÉsÉxÉ AÉU oÉWÉlÉÉ oÉlÉÉlÉÉ NÉQMüU qÉWlÉiÉ xÉ MüÉqÉ MüUlÉ xÉ xÉZÉ MüÐ mÉÉÎmiÉ WÉìiÉ Wæû |

20.xÉqÉrÉ MüÉ xÉSÌmÉrÉÉaÉ Müxé MüUlÉÉ cÉÉÌWL ?

MüÉqÉ MüUlÉ MüÉ eÉÉ AuÉxÉU mÉÉmiÉ WÉiÉÉ Wæû, ExÉ urÉjÉ eÉÉ lÉ lÉ SlÉ xÉ AÉU xÉqÉrÉ MüÉ xÉŠÉ xÉÉjÉÏ oÉlÉÉ sÉlÉÉ WÏ xÉqÉrÉ MüÉ xÉSÌmÉrÉÉaÉ MüU sÉlÉÉ Wæû |

21.Müwhé AmÉlÉÏ qÉÉiÉÉ rÉzÉÉSÉ Mü mÉìiÉ YrÉÉ lÉÉUÉeÉ Wæû ?

Müwhé AmÉlÉÏ qÉÉiÉÉ rÉzÉÉSÉ Mü mÉìiÉ lÉÉUÉeÉ Wæû YrÉÉÌMü, rÉzÉÉSÉ WqÉzÉÉ Müwhé MüÉ WÏ qÉÉUiÉÏ Wæû, AÉU pÉÉD oÉsÉUÉqÉ mÉU MüpÉÏ aÉxxÉÉ lÉWÏ MüUiÉÏ AÉU qÉÉUiÉÏ pÉÏ lÉWÏ |

22.oÉÉsÉMüwhé AmÉlÉÏ qÉÉiÉÉ xÉ YrÉÉ-YrÉÉ ÍzÉMüÉrÉiÉ MüUiÉÉ Wæû ?

oÉÉsÉMüwhé AmÉlÉÏ qÉÉiÉÉ xÉ ÍzÉMüÉrÉiÉ MüUiÉÉ Wæû ÌMü, oÉsÉUÉqÉ qÉ fÉ MüÉsÉÉ MüWMüU mÉMüÉUiÉÉ Wæû | qÉ fÉ qÉÉsÉ ÍsÉrÉÉ Wæû LxÉÉ MüWiÉÉ Wæû AÉU xÉoÉ aÉuÉÉsÉ SÉxiÉ qÉ fÉ cÉÉOÉMüÐ S SMüU ÍNQÉiÉ Wæû|

23. cÉmmÉsÉÉ MüÐ cÉÉUÏ WÉlÉ mÉU DqÉÉlÉSÉU QÍsÉaÉÉO lÉ YrÉÉ xÉ fÉÉuÉ ÌSrÉÉ ?

cÉmmÉsÉÉ MüÐ cÉÉUÏ WÉlÉ mÉU DqÉÉlÉSÉU QÍsÉaÉÉO lÉ xÉ fÉÉuÉ ÌSrÉÉ ÌMü, ' SÎZÉL cÉmmÉsÉ LMü eÉaÉW lÉWÏ EiÉÉUlÉÏ cÉÉÌWL | LMü cÉmmÉsÉ rÉWÉ EiÉÉÉUL iÉÉ SxÉUÏ SxÉ TüOÉ MüÐ SUÏ mÉU | iÉoÉ cÉmmÉsÉ cÉÉUÏ lÉWÏ WÉiÉÏ | LMü WÏ eÉaÉW eÉÉQÏ WÉaÉÏ, iÉÉ MüÉD pÉÏ mÉWlÉ sÉaÉÉ | qÉlÉ LxÉÉ WÏ ÌMürÉÉ jÉÉ |

24. सूर्य के पुत्र कौन थे ? शनै:चर का अर्थ क्या है ?

उत्तर :- शनि महाराज सूर्य के पुत्र थे । शनै:चर का अर्थ होता है - धीमी गति से चलनेवाला ।

25. शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

उत्तर :- बृहस्पति की तरह शनि का वायुमंदल भी हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से शनि का निर्माण हुआ है ।

26.सत्य क्या होता है ? उसका रुप कैसे होता है ?

उत्तर :- जो कुछ भी अपनी आँखों से देखा, बिना नमक-मिर्च लगाए बोल दिया- यही तो सत्य है । सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है, ज्ञान की प्रतिलिपि है, आत्मा की वाणी है । यही सत्य का रुप होता है ।

27. शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है ?

उत्तर :- शस्त्र में सत्य बोलने का तरीका ऐसे समझाया गया है कि- 'सत्यं ब्रूतात, प्रियं ब्रूयात, न ब्रूयात सत्यमप्रियम' अर्थात, सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो ।

28. हर स्थिति में सत्य बोलने का अभ्यास क्यों डालना चाहिए ?

उत्तर :- हर स्थिति में सत्य बोलने का अभ्यास डालना चाहिए क्योंकि सत्य वह चिनगारी है असत्य पल भर में भस्म हो जाता है ।

29. 'सत्य' क्या होता है ? उसका रूप कैसा होता है ?

सत्य! बहुत ही भोला - भाला, बहुत ही सीधा - सादा जो कुछ भी अपनी आँखों से देखा, बिना नमक-मिर्च लगाए बोल दिया - यही तो सत्य है। कितना सरल ! सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है, ज्ञान की प्रतिलिपी है, आत्मा की वाणी है।

III. तीन अंकोंवाले प्रश्न

1. .pÉÉUiÉ qÉÉ Mü mÉMüÌiÉ-xÉÉÇSrÉ MüÉ uÉhÉlÉ MüÐÎeÉL |

-MüÌuÉ pÉaÉuÉiÉÏ cÉUhÉ uÉqÉÉÉeÉÏ pÉÉUiÉ qÉÉ Mü mÉMüÌiÉ-xÉÉÇSrÉ MüÉ uÉhÉlÉ MüUiÉ WÑL MüWiÉ Wæû ÌMü, pÉÉUiÉ qÉ WU-pÉU ZÉiÉ xÉÌSU Wæû | TüsÉ-TüsÉÉ xÉ pÉUÉ WAÉ uÉlÉ AÉU EmÉuÉlÉ Wæû | pÉÉUiÉ Mü pÉÏqÉ Mü ASU ZÉlÉeÉÉ MüÉ urÉÉmÉMü kÉlÉ Wæû | qÉYiÉ WxiÉ xÉ pÉÉUiÉ qÉÉ xÉpÉÏ MüÉ xÉZÉ-xÉmĘ́É , kÉlÉ-kÉÉqÉ oÉÉOÉ UWÏ Wæû |

2. qÉÉiÉpÉÍqÉ MüÉ xuÉÃmÉ Müxé xÉzÉÉÍpÉiÉ Wæû ?

MüÌuÉ pÉÉUiÉ qÉÉiÉÉ Mü xuÉÃmÉ Mü oÉÉU qÉ MüWiÉ Wi ÌMü, pÉÉUiÉ qÉÉiÉÉ Mü LMü WÉjÉ qÉ IrÉÉrÉ MüÉ mÉiÉÉMüÉ Wi
AÉU SxÉU WÉjÉ qÉ ¥ÉÉlÉ MüÉ SÏmÉ Wi | ClÉ SÉlÉÉ Mü xÉWÉrÉiÉÉ xÉ eÉaÉ MüÉ ÃmÉ oÉSsÉ S qÉÉ , MüÉÌO - MüÉÌO
pÉÉUiÉ uÉÉxÉÏ AÉeÉ iÉU xÉÉjÉ Wi | pÉÉUiÉ Mü xÉMüsÉ lÉaÉU AÉU aÉÉqÉ qÉ eÉrÉ ÌWIS MüÉ lÉÉS aÉeÉlÉÉ cÉÉÌWL |

3. ‘mÉMüÌiÉ mÉU xÉuÉ§É Wi ÌuÉeÉrÉÏ mÉÂwÉ AÉxÉÏlÉ’ CxÉ mÉÎYiÉ Müé AÉzÉrÉ AÉzÉrÉ xÉqÉfÉÉCL |

‘mÉMüÌiÉ mÉU xÉuÉ§É Wi ÌuÉeÉrÉÏ mÉÂwÉ AÉxÉÏlÉ’ CxÉ mÉÎYiÉ MüÉ AÉzÉrÉ rÉW Wi ÌMü, AÉeÉ qÉÉlÉuÉ lÉ mÉMüÌiÉ Mü WU iÉiuÉ mÉU ÌuÉeÉrÉ mÉÉmiÉ MüU sÉÏ Wi AÉU mÉMüÌiÉ mÉU qÉÉlÉuÉ xÉuÉÉU W LuÉ mÉMüÌiÉ MüÉ AmÉlÉ ÌlÉrÉ§ÉhÉ qÉ UZÉÉ

4. ÌSlÉMüUeÉÏ Mü AlÉxÉÉU qÉÉlÉuÉ - qÉÉlÉuÉ Mü xÉWÏ mÉÉUcÉrÉ YrÉÉ Wi ?

ÌSlÉMüUeÉÏ Mü AlÉxÉÉU qÉÉlÉuÉ - qÉÉlÉuÉ Mü oÉÏcÉ xlÉW xlÉW MüÉ oÉÉkÉlÉÉ AÉU LMü qÉÉlÉuÉ SxÉU qÉÉlÉuÉ xÉ mÉqÉ
MüÉ ÊUziÉÉ eÉÉQMüU AÉmÉxÉ MüÐ SUÏ MüÉ ÍqÉOÉL uÉWÏ qÉÉlÉuÉ MüWsÉÉlÉ MüÉ AÍkÉMüÉUÏ Wi | rÉWÏ qÉÉlÉuÉ MüÉ xÉWÏ mÉÉUcÉrÉ Wi |

5. oÉÉkÉ AÉU eÉsÉÉzÉrÉÉ Mü YrÉÉ EmÉrÉÉaÉ Wi ?

MülÉÉOMü Mü mÉqÉZÉ lÉÌSrÉÉ MüÉ oÉÉkÉ oÉlÉÉL aÉL Wi | ClÉxÉ WleÉÉUÉ LMüQ leÉqÉÏlÉ xÉÏcÉÏ eÉÉiÉÏ Wi | ClÉ
lÉÌSrÉÉ Mü eÉsÉÉzÉrÉÉ MüÐ xÉWÉrÉiÉÉ xÉ FeÉÉ EimÉÉSlÉ MüIS xjÉÉÌmÉiÉ ÌMüL aÉL Wi ÎeÉlÉxÉ UÉerÉ MüÉ FeÉÉ mÉÉmiÉ WÉiÉÏ Wi |

6. इंटरनेट से कौन सी हानियाँ हो सकती हैं ?

उत्तर :- इंटरनेट की कुछ हानियाँ भी हैं -

१.इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्रॉड, हैकिंग (सूचना/खबरों की चोरी) आदि बढ रही हैं ।

२. मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढी ही नहीं बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फँसे हुए हैं ।

३. इससे वक्त का दुरुपयोग, अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं ।

7. व्यापार और बैंकिंग में क्या मदद मिलती है ?

उत्तर :- १.इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीददारी कर सकते हैं ।

१. कोई भी बिल भर सकते हैं ।

२. इंटरनेट बैकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितना भी रकम भेजा जा सकता है ।

8. भगवतीचरण वर्मा जी ने मातृभूमि कविता में भारत माँ को कैसे चित्रित किया है ?

मातृभूमि अमरों की जननी है । इसके उर में गाँधी, बुद्ध और राम शायित हैं। भारत माँ के खेत हरे-भरे और सुहाने हैं । यहाँ फल-फूलों से युत वन-उपवन हैं । भारत माँ के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुाअहै । वह सबको सुख-सांपत्ति और धन-धाम मुक्त हस्त से बाँट रही है। इसके एक हाथ में न्याय-पताका और दूसरे हाथ में ज्ञान-दीप है । इस तरह वर्माजी ने भारत माँ(मातृभूमि) को चित्रित किया है ।

9. बसांत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए किस तरह प्रेरित किया ?

जब राजकिशोर छलनी खरीदने के बजाय ब्संत को दो पैसे देते हैं, तब बसंत कहता है कि यह तो भीख है । मैं भीख नहीं लूँगा । बसंत की इस बात ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए प्रेरित किया ।

10. तुलसीदास जी के अनुसार मनुष्य के जीवन में प्रकाश कब फैलता है ?

देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है उसी तरह राम-नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है । इस तरह शुद्धि होने से मनुष्य के जीवन में चारों ओर प्रकाश फैलता है ।

11. दक्षिण शिखर पर चढ़ते समय बिछेंद्री के अनुभवों के बारे में लिखिए ।

दक्षिण शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गाई थी । हवा के झोंके बर्फ के कणों को चारों तरफ उड़ा रहे थे । उन्हें कुछ भी दिखायी दे नहीं रहा था । थोड़ी दूर तक कोई ऊँची चढ़ाई नहीं थी। ढलान एकदम सीधी नीची चली गाई थी । उनकी साँस एकदम रूक गाई थी । लेकिन सफलता उनके बहु तही नज़दीक थी । बिछेंद्री 23 मई 1984 के दिन दोपहर 1:07 मिनट पर एवरेस्ट की चोटी पर खड़ी थी ।

12. बिछेंद्री पाल ने पहाड़ पर चढ़ने की तैयारी किस प्रकार की ?

कर्नल खुल्लर ने साउथ कोल तक की चढ़ाई के लिए तीन शिखर दलों के दो समूह बना दिए थे । बिछेंद्री सुबह चार बजे उठ गाई। बर्फ पिघलाई और चाय बनाई । कुछ बिस्कुट और आधी चॉकलेट का हल्का नाश्ता करके साढ़े पाँच बजे अपने तांबू से निकल पड़ी । अंग दोरजी भी उनके साथ चलता है ।

IV.चार अंकोंवाले

1)कन्नड भाषा तथा संस्कृति को कर्नाटक के साहित्यकारों की क्या देन है**?**

1.कर्नाटक के साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलाई है।

2.वचनकार बसवण्ण क्रांतिकारी समाज सुधारक थे।

3.अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है।

4.पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये है।

5.पम्प, रन्न, पोन्न, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि ने महान काव्यो की रचना कर कन्नड साहित्य तथा संस्कृति को समृद्ध बनाया है।

2)कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए**. ?**

1.प्रकृति माता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से सँवार कर सुन्दर और समृद्ध बनाया है।

2.कर्नाटक की प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है।

3.पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है।

4.इसी प्रांत में दक्षिण में उत्तर के छोरतक फैली लम्बी पर्वत मालाओं को पश्चिमी घाट कहते है।

5.इन्ही घाटों का कुछ भाग सह्याद्री कहलाता है।

6.दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतमालाएँ शोभायमान है।

3)कर्नाटक की शिल्पकला और वास्तुकला का परिचय दीजिए **|**

1.कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है।

2.बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लु में जो मंदिर है उनकी शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत है।

3.बेलूर, हलेबीडू, सोमनाथपुर के मंदिरों में जो पत्थर की जो मुर्तियाँ हैं, वे सजीव लगती है।

4.श्रवणबेलगोला में 57 फूट ऊँची गोमटेश्वर की एकशिला प्रतिमा है जो दुनिया को त्याग और शांति का संदेश देर ही है।

4)बसंत स्वाभिमानी और ईमानदार लड़का था। कैसे**?**

* पं. राजकिशोर से बसंत भीख नहीं लेता, ईमानदारी से चीजें बेचने की ही बात करता है।

* छलनी, बटन, दियासलाई सब चीजें बिना नफे के ही बेचने लगता है।

* राजकिशोर बसंत से छलनी लेता है। बसंत मुफ्त के पैसे को भीख समझता था। इसलिए वह राजकिशोर से मुफ्त में पैसे लेने से इनकार करता है। छलनी खरीदने के बाद राजकिशोर ने एक रूपये का नोट बसंत को दिया। बसंत उस नोट को बुनाने के लिए बाज़ार की ओर गया। लेकिन वापस लौटते समय मोटर दुर्घटना से उसके दोनों पैर कुचले गये। इसलिए वह राजकिशोर के पासन

लौट सका। जब उसे होश आया तो उसने तुरंत भाई प्रताप को पैसे लौटाने के लिए राजकिशोर के यहाँ भेजा। इस घटना से हमें लगता है कि बसंत ईमानदार और स्वाभिमानी भी है।

5)पं. राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए।

१. बसंत का छोटा भाई प्रताप राजकिशोर के घर आता है और उन्हें पैसा लेने के लिए कहता है। प्रताप ने राजकिशोर से कहता है कि उसका भाई बसंत नोट बुनाकर वापस आते समय मोटर के नीचे आ गया और उसके दोनों पैर कुच ले गये। बसंत बेहोश पडा और होश आने पर प्रताप को पैसे देने के लिए भेजा था। यह सुनकर राजकिशोर को बहुत दुख होता है। इससे प्रताप के साथ उसी समय बसंत को देखने चला जाता है और डाक्टर को भी बुलवाता है। इसलिए उसे अस्पताल ले जाने को कहता है और एम्बुलेन्स को बुलाता है। इस प्रकार राजकिशोर की मानवीयता व्यक्त होती है।

२. बाजार में बसंत पर दया दिखाकर कोई चीज खरीदें बिना ही उसे पैसे देने लगते हैं।

३. मजदूरों की बस्ती में लेक्चर देते हैं।

*****

धन्यवाद

- डॉ. सुनील परीट

सरकारी प्रौढशाला, लक्कुंडी

तह- बैलहोंगल, जि- बेलगावी

मो. 9480006858

डॉ. सुनील परीट 9480006858